

कोलकाता में दुर्गा पूजा पंडाल में बड़ा हादसा: बारिश के बीच मची भगदड़, 17 लोगों की मौत, 35 से अधिक घायल

कोलकाता, 17 अक्टूबर। उत्तर कोलकाता में शनिवार शाम दुर्गा उत्सव के बीच एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। शहर के प्रसिद्ध चोरबागान सार्वजनीन (शारदा पार्क) दुर्गा पूजा पंडाल में मची भीषण भगदड़ में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बारिश के दौरान निकास द्वार पर उमड़ी भीड़ बनी वजह: कोलकाता पुलिस द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, यह हादसा शनिवार शाम करीब 7:40 बजे (19:40 बजे) गिरीश पार्क पुलिस स्टेशन क्षेत्र में स्थित शारदा पार्क (चोर बागान) पूजा पंडाल के निकास द्वार पर हुआ। दर्शन के दौरान तेज बारिश शुरू हो जाने के कारण पंडाल के निकास द्वार पर श्रद्धालुओं



की भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे वहां अफरा-तफरी और भगदड़ मच गई। कई लोग हुए बेहोश, मोटरसाइकिलों से पहुंचाया गया अस्पताल: प्रत्यक्षदर्शियों ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि

भगदड़ के दौरान कई लोग बेहोश हो गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कई घायलों को तुरंत मोटरसाइकिलों पर बैठाकर अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के मुताबिक, कम से कम 35 घायलों

को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के तुरंत बाद राहत और बचाव कार्य के लिए कंट्रोल रूम, फायर ब्रिगेड, कोलकाता पुलिस, डिजास्टर मैनेजमेंट ग्रुप और

मेडिकल टीमों के साथ एम्बुलेंस तैनात की गई। सुरक्षा के दृष्टिगत पूजा पंडाल को आम दर्शनार्थियों के लिए पूरी तरह बंद कर दिया गया है। सीएम सुवेंदु अधिकारी पहुंचे अस्पताल, पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने जताया दुःख: हादसे की सूचना मिलते ही पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी और मुख्य सचिव मनोज अग्रवाल स्थिति का जायजा लेने के लिए खुद अस्पताल पहुंचे। वहीं, राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म '' पर लिखा कि चोर बागान पूजा पंडाल में भगदड़ की खबर से वे स्तब्ध और दुखी हैं तथा उन्होंने मां दुर्गा से सभी घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

सीईसी ज्ञानेश कुमार और एसआईआर के खिलाफ जारी रहेगा देशव्यापी आंदोलन: प्रकाश राज

नई दिल्ली। अभिनेता-कार्यकर्ता प्रकाश राज ने कहा है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ देशव्यापी शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को दबाने की कोशिश की जा रही है लेकिन इसके बावजूद ये जारी रहेंगे। अभिनेता शुक्रवार को यहां मानवीयम विधि में मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुमार और एसआईआर के खिलाफ आयोजित एक विरोध सभा में शामिल होने के बाद संवाददाताओं से बात कर रहे थे। कार्यक्रम शुरू होने से पहले पुलिस ने यह कहते हुए हस्तक्षेप किया कि आयोजकों ने लाउडस्पीकर के इस्तेमाल की अनुमति नहीं ली है इस वजह से वहां हल्की नोकझोंक हुई, हालांकि बाद में पुलिस ने कार्यक्रम को जारी रखने की अनुमति दे दी। प्रकाश राज ने कहा कि देश के युवा महात्मा

गांधी, बी.आर. आंबेडकर और भगत सिंह से प्रेरणा लेकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। उन्होंने विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिबंध को लेकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त पर सवाल उठाते हुए कहा, हम सवाल पूछ रहे हैं: ज्ञानेश कुमार, आप हमें क्यों रोक रहे हैं? जिस तरह से आप हमें रोक रहे हैं और अवैध रूप से हिरासत में ले रहे हैं, वह साबित करता है कि कुछ तो गड़बड़ है। उन्होंने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक और शांतिप्रिय देश है तथा लोगों को सवाल पूछने और विरोध करने का पूरा अधिकार है। केरलम में पुलिस के हस्तक्षेप के बारे में पूछे जाने पर प्रकाश राज ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन आयोजित करने के लिए अनुमति लिए जाने की आवश्यकता पर सवाल उठाया। उन्होंने सवाल किया, इस देश में विरोध प्रदर्शन करने के लिए हमें किसकी अनुमति चाहिए? अभिनेता

ने कहा, विरोध प्रदर्शन से आपका क्या मतलब है? यह आपके लिए इसलिए अपराध है क्योंकि हम ऐसे कड़वे सवाल पूछ रहे हैं जिनका आपके पास कोई जवाब नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि पुलिस थक जाएगी और (प्रधानमंत्री) मोदी तथा (गृह मंत्री) शाह से कहेंगी-हम आपके कार्यकर्ता नहीं हैं। कृपया हमसे ऐसा करना बंद करवाएं। सेना भी यह कहने लगेगी-नहीं, हम ऐसा नहीं कर सकते। वे भी इसान हैं, वे भी इस देश के नागरिक हैं। राज ने कहा कि किसानों ने घोषणा की है कि वे युवाओं के समर्थन में इस आंदोलन में शामिल होंगे और उन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन से भी बड़े आंदोलन की बात कही। उन्होंने कहा, देखते हैं क्या होता है। यह जंतर-मंतर पर आपने जो देखा था, उससे भी बड़ी लड़ाई और बड़ा विरोध प्रदर्शन होने जा रहा है।

एयर शो के दौरान सावन जैसी दर्शन व्यवस्था

♦22, 24 और 25 अक्तूबर को उमड़ सकती है श्रद्धालुओं की भीड़, विश्वनाथ धाम में प्रवेश निकास के लिए बनेगी विशेष व्यवस्था सुरेश गांधी



वाराणसी। एयर शो के दौरान काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने विशेष इंतजाम करने का निर्णय लिया है। 22, 24 और 25 अक्तूबर को धाम में दर्शन-पूजन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के मद्देनजर श्रावण मास के सोमवार की तर्ज पर आवागमन की व्यवस्था लागू की जाएगी। इसके तहत प्रवेश और निकास मार्गों को व्यवस्थित करने के साथ सुरक्षा के अनुसार बैरिकेडिंग की जाएगी, ताकि भीड़ का दबाव नियंत्रित रहे और श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन मिल सके। इस संबंध में

शनिवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम के सभागार में मुख्य कार्यपालक अधिकारी सत्यम मिश्र की अध्यक्षता में समन्वय बैठक हुई। इसमें मंदिर प्रशासन के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ पुलिस तथा सीआरपीएफ के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में एयर शो के दौरान संभावित भीड़ के मद्देनजर सुरक्षा, आवागमन और दर्शन व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। प्रवेश-निकास पर रहेगी विशेष निगरानी: मुख्य कार्यपालक अधिकारी सत्यम मिश्र ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

प्रवेश और निकास मार्गों पर पर्याप्त इंतजाम करने के साथ आवागमन सुचारु रखा जाए। सभी संबंधित विभाग और कार्यदायी एजेंसियां आपसी समन्वय से समय रहते तैयारियां पूरी करें। बैठक में तय किया गया कि भीड़ प्रबंधन की व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जाएगी। जरूरत पड़ने पर तत्काल कदम उठाए जाएंगे, ताकि धाम में अनुशासित व्यवस्था बनी रहे और श्रद्धालुओं को अनावश्यक परेशानी न हो। एयर शो के तीनों दिनों में संभावित भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने संबंधित विभागों के साथ मिलकर तैयारियां शुरू कर दी हैं।

बच्चों के लिए इंटरनेट मौलिक अधिकार, उम्र आधारित बैन सुप्रीम कोर्ट ने किया खारिज

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेट के इस्तेमाल पर उम्र के आधार पर लगाई जाने वाली पूरी तरह से पाबंदियों को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि बच्चों को इंटरनेट तक पहुंचने और उसका इस्तेमाल करने का मौलिक अधिकार प्राप्त है। हालांकि, कोर्ट ने बच्चों को ऑनलाइन यौन शोषण से बचाने के लिए एक सख्त व्यवस्था बनाने की बात कही है। इसमें विभिन्न प्लेटफॉर्म पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री का जल्द पता लगाना और उसे हटाना शामिल है। कोर्ट ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और उनकी आजादी एक-दूसरे के खिलाफ नहीं हैं। कोर्ट ने माना कि बच्चों को इंटरनेट के इस्तेमाल से पूरी तरह रोकना

अनुचित होगा। साथ ही, इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा के ऐसे उपाय होने चाहिए जो बच्चों के अधिकारों को छीने बिना उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करें। अदालत ने यह भी चेतावनी दी कि उम्र के आधार पर लगाई गई पाबंदियां बच्चों को ऐसी वेबसाइटों की ओर धकेल सकती हैं, जो किसी के नियंत्रण में नहीं हैं और कहीं अधिक खतरनाक हो सकती हैं। अदालत ने कहा कि जो बच्चे ऑनलाइन बहकावे में आते हैं या जिन्हें डराया-धमकाया जाता है, वे इन पाबंदियों के उल्लंघन के लिए सजा मिलने के डर से अपने माता-पिता या किसी भरोसेमंद वयस्क को ऐसी घटनाओं के बारे में बताने से हिचकिचा सकते हैं। अदालत ने इस बात पर चिंता



जताई कि मौजूदा दिशानिर्देशों के बावजूद, बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री ऑनलाइन लगातार फैल रही है। अदालत ने पीड़ितों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम न उठाने पर नियामक प्राधिकरणों और सोशल मीडिया कंपनियों को आलोचना की। यह कार्यवाही आंशिक रूप से उन रिपोर्टों के आधार पर शुरू हुई, जो अदालत के सामने पेश की गई थीं। इन रिपोर्टों में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मौजूद रिडायरेक्ट लिंक और वेबसाइटों के

जरिए, बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री के कथित 'पेड प्रमोशन' (पैसे देकर प्रचार करने) की ओर इशारा किया गया था। अदालत ने कहा कि ऐसी सामग्री की रिपोर्ट करने और उसे हटाने की मौजूदा व्यवस्था काफी हद तक व्यक्तिगत शिकायतों पर निर्भर है। जब कोई एक प्लेटफॉर्म ऐसी सामग्री का पता लगाकर उसे हटाता है, तो वही सामग्री अन्य प्लेटफॉर्मों पर अपने आप चिह्नित (फ्लैग) नहीं होती है। इससे उसे हटाने में देरी हो सकती है और वह ऑनलाइन फैलती रह सकती है। सर्वोच्च न्यायालय ने बाल यौन शोषण सामग्री की पहचान और उसे हटाने की प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार और इंटरनेट एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को

विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। न्यायालय ने केंद्र सरकार को अवधारणात्मक हैश और यूआरएल के राष्ट्रीय डेटाबेस के लिए दिशानिर्देश तैयार करने का निर्देश दिया है। इससे प्लेटफॉर्मों को विभिन्न सेवाओं में समान सामग्री की पहचान करने और समन्वित पहचान एवं हटाने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। हालांकि, न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी प्रणालियों में गलत तरीके से सामग्री हटाने से बचाव के उपाय शामिल होने चाहिए। किसी एक शिकायत के आधार पर सामग्री को स्वचालित रूप से डेटाबेस से हटाया या जोड़ा नहीं जाना चाहिए। इस तरह की कार्यवाही से पहले कई सुरक्षा उपाय और सत्यापन आवश्यक हैं।

अमेरिकी सांसद कॉकरोच जनता पार्टी को दे रहे समर्थन, भारत के खिलाफ विदेश मंत्री रुबियो को भड़काया

अमेरिकी, 17 अक्टूबर। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की आगामी भारत यात्रा से पहले छह डेमोक्रेटिक सांसदों ने भारत के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उनसे छत्र प्रदर्शनों पर कथित बल प्रयोग और मतदाता सूची में बदलाव जैसे मुद्दे उठाने की मांग की है। प्रमिला जयपाल और इल्हान उमर समेत इन सांसदों ने कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थन में प्रदर्शन करने वालों की निगरानी का आरोप भी लगाया है। वहीं, डेमोक्रेटिक नेता और जो बाइडेन के पूर्व सलाहकार अजय जैन भुटोरिया ने इस पहल पर पलटवार करते हुए कहा कि अमेरिकी सांसदों को सातह के आंतरिक मामलों में दखल देने के बजाय अपने देश की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। प्रमिला जयपाल और इल्हान उमर सहित छह अमेरिकी डेमोक्रेटिक सांसदों ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो से आग्रह किया है कि वह भारत यात्रा के दौरान



अपने भारतीय समकक्षों के सामने दिल्ली और भारत के अन्य हिस्सों में छत्र प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा बल प्रयोग के कथित आरोपों का मुद्दा उठाएँ। अमेरिकी सांसदों जयपाल, उमर, जिम मैकगवर्न, रशीदा तलाइब, एलेनर होम्स नॉटन और जीसस गांसिया ने वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास और अन्य अमेरिकी शहरों के वाणिज्य दूतावासों पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे लोगों की निगरानी के लिए फोटोग्राफर को तैनात करने का आरोप लगाया है।

कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर 20 फीट नीचे नाले में गिरी मिनी बस, 8 श्रद्धालुओं की मौत; 10 लोग घायल

कोटा, 17 अक्टूबर। राजस्थान के कोटा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह करीब छह बजे 23 यात्रियों को लेकर जा रही एक मिनी बस के 15 फुट गहरे नाले में गिरने से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य यात्री घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घायलों में से आठ की

हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, ऐसी आशंका है कि चालक को झपकी आ गई थी जिसके कारण वाहन आठ लेन वाली सड़क से नाले में गिर गया। हादसे की सूचना मिलते ही आपात कर्मियों ने बचाव अभियान शुरू कर दिया लेकिन नाले में जमा कीचड़ और पानी के कारण राहत एवं बचाव कार्य में काफी मुश्किलें

आई। पुलिस के मुताबिक, क्षतिग्रस्त मिनी बस को बाहर निकालने और उसमें फंसे यात्रियों को बचाने के लिए क्रेन की मदद ली गई। कोटा (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि ज्यादातर यात्री मध्यप्रदेश के भोपाल और बैतूल जिलों के थे। उन्होंने बताया कि वे राजस्थान में चार से पांच दिन की तीर्थयात्रा पर आए थे।



DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)

Contact us: 9820519851

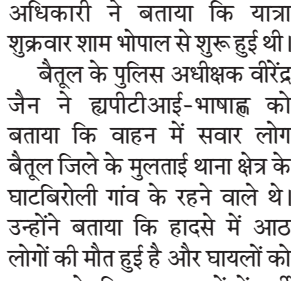
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीवी नगर मुंबई-37

- * Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
- * बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
- * वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
- * DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
- * NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
- * चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
- * एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
- * पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
- * मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
- * विशेषज्ञ डॉक्टरों से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
- * मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तियों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध



अधिकारी ने बताया कि यात्रा शुक्रवार शाम भोपाल से शुरू हुई थी। बैतूल के पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन ने ह्यूपीटीआई-भाषाहू को बताया कि वाहन में सवार लोग बैतूल जिले के मुलाठा थाना क्षेत्र के घाटबिरोली गांव के रहने वाले थे। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद लोगों की मौत हुई है और घायलों को उपचार के लिए अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मुलताई थाना प्रभारी विकास पटेल ने बताया कि उन्होंने मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें हादसे की जानकारी दी है और परिजन जल्द ही शव लेने के लिए

रवाना होंगे। रिक्रूटर्स मिलें हादसे में घायल यात्री अंशिका ने बताया कि वह अपने परिवार के सदस्यों के साथ यात्रा कर रही थी, जिनमें उसके चाचा, चाची और अन्य रिश्तेदार शामिल थे। उसने बताया कि वे शुक्रवार शाम सात बजे भोपाल से रवाना हुए थे और खादू श्यामजी मंदिर में दर्शन करने जा रहे थे कि तभी यह हादसा हो गया। अंशिका के अनुसार, वाहन में करीब 23 यात्री सवार थे और हादसे के समय उनमें से ज्यादातर सो रहे थे। उसने आशंका जताई कि चालक को झपकी आ गई होगी।



अधिकांश लोगों को न्यू मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एनएमसीएच) और एमबीएस अस्पताल ले जाया गया। एनएमसीएच के प्राचार्य डॉ. निलेश जैन ने बताया कि घायलों का उपचार और सीटी स्कैन जैसी आवश्यक जांच तत्काल शुरू कर दी गई। एनएमसीएच के ह्रासुर स्पेशलिटी ब्लॉकहू अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आशुतोष शर्मा ने बताया कि अस्पताल में कुल 15 मरीज लाए गए, जिनमें से सात को मृत अवस्था में लाया गया, जबकि घायल आठ अन्य मरीजों को तत्काल प्राथमिक उपचार देकर उनकी हालत स्थिर करने के प्रयास किए गए और उन्हें व्यापक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि हादसे में आठ लोगों की मौत हुई है और बाकी यात्रियों का इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अधिकारी घटनास्थल को साफ कराने और यात्रियों से संबंधित विवरणों की पुष्टि करने में जुटे हैं।

Multi Solutions

WHAT WE DO ?

COMPUTER & CCTV

- Laptop, Desktop, CCTV, Sales Service & Rental
- Networking
- Software Installation
- Data Recovery
- Antivirus

SMART AUTOMATION

- Automation
- Biometric
- Smart Home App Control
- All Type of Electric Work

Mithun Prajapati
+91 9220 555 717

Shop No13, First Floor, Zahoor Nagar, Mustafa Market, Near Behmani Hotel, Kherani Road, Sakinaka, Andheri (E), Mumbai - 400072.

दशहरा विशेष : 20 अक्टूबर 2026

दशहरा: शौर्य, साधना एवं नवसंकल्प का महापर्व



–ललित गार्ग

परंपराओं और जीवन-दर्शन से जुड़कर मनुष्य को सत्य, साहस, सदाचार और आत्मविजय की राह दिखाता है। यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि जीवन की वास्तविक विजय दूसरों को पराजित करने में नहीं, बल्कि अपने भीतर विद्यमान दुर्बलताओं, विकारों और नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त करने में है। असत्य पर सत्य, अंधकार पर प्रकाश, निराशा पर आशा और अधर्म पर धर्म की विजय का यह उत्सव विजयादशमी में सदियों से नई ऊर्जा, नया विश्वास और नया संकल्प भरता आया है।

दशहरे की सांस्कृतिक चेतना का सबसे प्रभावशाली आधार भगवान श्रीराम की रावण पर विजय है। रामायण का यह प्रसंग केवल एक ऐतिहासिक अथवा पौराणिक युद्ध की परिणति नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों और अहंकार के बीच संघर्ष का शाश्वत आख्यान है। श्रीराम मर्यादां, करुणा, सत्य, कर्तव्य और धर्मनिष्ठा के प्रतीक हैं, जबकि रावण ज्ञान, सामर्थ्य और वैषम्य से संपन्न होने के बावजूद अहंकार, अनियंत्रित इच्छाओं और अनैतिक आचरण का प्रतीक बन जाता है। रावण का व्यक्तित्व इस सत्य को उजागर करता है कि ज्ञान यदि विवेक से, शक्ति यदि मर्यादां से और समृद्धि यदि नैतिकता से विमुक्त हो जाए, तो मनुष्य के पतन का कारण बन जाती है। श्रीराम की विजय इसलिए महत्वपूर्ण है कि उन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अपने आदर्शों का परिपालन नहीं किया। दशहरा हमें सिखाता है कि परिस्थितियाँ किन्तही ही कठिन क्यों न हों, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति अंततः समाज की आस्था और इतिहास की प्रेरणा बनता है।

भारतीय संस्कृति में दशहरे का संबंध केवल राम की विजय से नहीं, बल्कि मां दुर्गा की महिमासुर पर विजय से भी जुड़ा है। नवरात्र के नौ दिनों में शक्ति की आराधना और दसवें दिन विजयादशमी का उत्सव इस बात का प्रतीक है कि साधना के बाद सिद्धि, संघर्ष के बाद सफलता और आत्मबल के जागरण के बाद विजय का मार्ग प्रशस्त होता है। मां दुर्गा की उपासना हमें यह प्रेरित देती है कि जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए शक्ति और संवेदना, साहस और विवेक तथा पराक्रम और करुणा के समन्वय आवश्यक है। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में शक्ति का अर्थ केवल बाहुबल अथवा प्रभुत्व नहीं है, बल्कि आत्मबल, इच्छाशक्ति, धैर्य, आत्मसंयम और आनंद के विरुद्ध खड़े होने की नैतिक क्षमता भी है। इसीलिए दशहरा शक्ति की साधना के साथ-साथ उस शक्ति के सदुपयोग का भी पर्व है।

दशहरा पर्व का आध्यात्मिक पक्ष अत्यंत गहरा है। बाहरी रावण का दहन तभी सार्थक है, जब मनुष्य अपने भीतर बैठे रावण को पहचानने और परास्त करने का साहस जुटाए। काम, क्रोध, मोह, लोभ, मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी जैसी प्रवृत्तियां मनुष्य के व्यक्तित्व को भीतर से दुर्बल बनाती हैं। रावण के दस सिरों को इन दस विकारों के प्रतीक के रूप में भी देखा जा सकता है। प्रतिवर्ष रावण के पुतले जलते हैं, आतिशबाजी होती है और उत्सव संपन्न हो जाता है, लेकिन यदि हमारे भीतर ईर्ष्या, छल, स्वार्थ, द्वेष और अहंकार जीवित रहें, तो विजयादशमी का मूल उद्देश्य अधूरा रह जाता है। सच्चा दशहरा वह है, जब हम किसी के प्रति अपने मन में पल रहे द्वेष को समाप्त करें, अपने व्यवहार से छल को निकालें, अपने अधिकारों के लिए सत्य कर्तव्यों को स्वीकारें और अपनी सफलता में दूसरों के योगदान को भी सम्मान दें। आत्मविजय ही सभी विजयों का आधार है। भारतीय संस्कृति उत्सव को साधना और साधना को जीवन की श्रेष्ठता से जोड़ती है। विजयादशमी इसी परंपरा का जीवंत उदाहरण है। इस दिन शस्त्रपूजा की जाती है, नए कार्यों का शुभारंभ होता है और विजय की कामना के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संकल्प लिया जाता है। शस्त्रपूजा का वास्तविक अर्थ केवल अस्त्रों की आराधना नहीं, बल्कि शक्ति के प्रति श्रद्धा और उसके उत्तरदायी उपयोग का संकल्प है। आज के संदर्भ में हमारे शस्त्र ज्ञान, विवेक, शिक्षा, विज्ञान, श्रम, नैतिकता और सत्यनिष्ठा भी हैं। यदि इन शक्तियों का उपयोग मानवता के कल्याण के लिए किया जाए, तो वे राष्ट्रनिर्माण के प्रभावशाली साधन बन सकती हैं। दशहरा हमें अकर्मण्यता से कर्मशीलता, निराशा से आशा और निष्क्रियता से सृजनशीलता की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। यह दिन अपने अधूरे संकल्पों को पूरा करने, नई संभावनाओं के द्वार खोलने और जीवन को श्रेष्ठ दिशा देने का अवसर है।

दशहरे का एक महत्वपूर्ण पक्ष प्रकृति, कृषि और लोकजीवन से उसका संबंध भी है। भारतीय समाज में यह पर्व फसल, समृद्धि, ऋतु-परिवर्तन और सामुदायिक उल्लास की परंपराओं से जुड़ा रहा है। शमी वृक्ष की पूजा, उसके पत्तों का आदान-प्रदान और नए कार्यों का शुभारंभ प्रकृति के प्रति श्रद्धा तथा मंगलकामना की भावना को व्यक्त करते हैं। कृषि प्रधान भारत में फसल की समृद्धि केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि धरती, किसान और प्रकृति के परस्पर सहयोग का उत्सव भी है। यह परंपरा हमें याद दिलाती है कि मनुष्य की प्रगति प्रकृति से अलग होकर संभव नहीं है। जिस संस्कृति ने वृक्षों, नदियों, पर्वतों और धरती में पवित्रता का अनुभव किया, उसकी उत्सवधर्मिता में पर्यावरण संरक्षण और सह-अस्तित्व की प्रेरणा भी अंतर्निहित है। आज जब पर्यावरणीय संकट मानवता के सामने गंभीर चुनौती बन रहा है, तब दशहरा हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पुनः समझने का अवसर देता है। विजयादशमी भारतीय संस्कृति की समन्वयकारी चेतना का ही उत्सव है। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में इसे विविध रूपों में मनाया जाता है। कहीं रामलीला और रावण-दहन होता है, कहीं दुर्गापूजा के बाद मां की विदाई, कहीं शस्त्रपूजा तो कहीं लोकपरंपराओं के माध्यम से विजय का उल्लास व्यक्त किया जाता है। इन विविधताओं के पीछे एक साझा सांस्कृतिक सूत्र है-सत्य के प्रति आस्था, धर्म के प्रति निष्ठा, शक्ति के प्रति सम्मान और जीवन में मंगल की कामना। आज दशहरे के संदेश को अपने सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन में उतारना पहले से अधिक आवश्यक है। भ्रष्टाचार, हिंसा, सामाजिक द्वेष, अनैतिक प्रतियस्पर्धा, छलपूर्ण व्यवहार और स्वार्थपरक राजनीति जैसी प्रवृत्तियां समाज की नैतिक शक्ति को कमजोर करती हैं। इन बुराइयों का अंत केवल भाषणों, नारों अथवा प्रतीकात्मक आयोजनों से नहीं हो सकता। इसके लिए व्यक्तिगत चरित्र, सामाजिक उत्तरदायित्व और संस्थागत ईमानदारी को मजबूत करना होगा। यदि हम अपने कार्यक्षेत्र में प्रामाणिकता अपनाएं, सार्वजनिक जीवन में कर्तव्यनिष्ठ रहें, शिक्षा और चिकित्सा को मानवीय संवेदना से जोड़ें तथा समाज में प्रेम और सद्भाव को बढ़ावा दें, तो यही दशहरे का वास्तविक साधना होगी। राष्ट्र की शक्ति केवल उसकी आर्थिक समृद्धि, सैन्य क्षमता अथवा तकनीकी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उसके नागरिकों के चरित्र, नैतिकता, अनुशासन और परस्पर विश्वास में भी निहित होती है। दशहरा अंततः बाहरी विजय से अधिक आंतरिक जागरण का पर्व है। यह हमें अपने भीतर प्रकाश का दीप जलाने, निराशाओं के बीच आशा खोजने, कठिनाइयों में साहस बनाए रखने और जीवन को नवसृजन की दिशा देने का संदेश देता है। आइए, इस विजयादशमी पर हम केवल रावण का पुतला जलाने तक सीमित न रहें, बल्कि अपने भीतर के अहंकार, स्वार्थ, असत्य और दुर्बलताओं को समाप्त करने का संकल्प लें। सत्य को अपना आधार, विवेक को अपना मार्गदर्शक, करुणा को अपना स्वभाव और कर्म को अपनी साधना बनाएं। यही भारतीय संस्कृति की आध्यात्मिक विरासत का सम्मान है, यही उत्सव की सार्थकता है और यही वह विजय है, जो व्यक्ति के जीवन को प्रकाशित करते हुए पवित्रा, समाज और राष्ट्र में नई चेतना का संचार कर सकती है। क्योंकि सच्चा दशहरा तभी है, जब रावण का दहन मैदान में ही नहीं, मन में भी हो; विजय का उत्सव केवल आतिशबाजी में नहीं, आचरण में दिखाई दे; और प्रकाश केवल दीपों में नहीं, हमारे विचारों, संस्कारों तथा कर्मों में भी प्रकट हो।



अशोक भाटिया

भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में 'एक वोट' की कीमत सरकार बनाने और गिराने से कहीं अधिक, एक आम नागरिक की संप्रभुता और देश के प्रति उसकी हिस्सेदारी का सबसे बड़ा संवैधानिक प्रतीक है। यही कारण है कि जब भी मतदाता सूचियों की पारदर्शिता या उसमें होने वाले किसी भी प्रकार के प्रशासनिक हेरफेर की बात सामने आती है, तो पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था के मूल ढांचे पर ही सवाल खड़े होने लगते हैं। पिछले लंबे समय से देश के विपक्षी दल भारत निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली, विशेषकर 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' के नाम पर बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम सूची से गायब होनेको लेकर सड़क से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक आंदोलनरत थे। इस चोतरफा राजनीतिक दबाव, राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों और देश की शीर्ष अदालत की कड़ी कानूनी जांच के बाद आखिरकार चुनाव आयोग बैकफुट पर आने और अपनी गलतियों में सुधार करने के लिए राजी हुआ है। आयोग द्वारा आगामी 'स्पेशल सर्वेयर रिवीजन' 2027 की प्रक्रिया में चार बड़े संरचनात्मक बदलावों की घोषणा करना और विपक्षी दलों से बातचीत के लिए मेज पर आना, लोकतांत्रिक दबाव की

एक बड़ी जीत के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस और 'ईडिया' गठबंधन के अन्य घटकों ने इस कदम को स्टू लिटिल, टू लेटर यानी बहुत कम और बहुत दूर से उठाया गया कदम करार देकर यह साफ कर दिया है कि चुनावी शुचिता की यह लड़ाई अभी थमी नहीं है। इस पूरे विवाद की जुड़ै मुहूर्त चुनाव आनुष (CEC) ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल के दौरान अपनाई गई उस विवादित 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' प्रक्रिया में छिपी हैं, जिसके तहत विपक्ष का आरोप है कि देश भर में लगभग 13.3 करोड़ मतदाताओं के नाम बिना किसी उचित नोटिस, जमीनी सत्यापन या पारदर्शी कानूनी प्रक्रिया के मतदाता सूची से अचानक हटा दिए गए। लोकतंत्र के इतिहास में यह संख्या इतनी बड़ी है कि इसे किसी भी तकनीकी त्रुटि, लिपिभ्रम चुक या सामान्य प्रशासनिक लापरवाही का नाम देकर खारिज नहीं किया जा सकता। विपक्ष का यह आरोप बेहद गंभीर और विचारणीय है कि जानबूझकर एक खास राजनीतिक रणनीति के तहत उन मतदाताओं को निशाना बनाया गया जो सत्तापक्ष के प्रति असहमति का रुख रखते हैं या जिनकी राजनीतिक निष्ठाएं शासन के अनुकूल नहीं हैं।

जब इतनी बड़ी संख्या में नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों का हनन प्रशासनिक फाइलों और सॉफ्टवेयर एल्गोरिदम के पीछे छिपकर किया जाने लगे, तो विपक्षी दलों का आक्रोशित होना और मुख्य चुनाव आुषक के इस्तीफे की मांग पर अड़ जाना पूरी तरह स्वाभाविक हो जाता है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों द्वारा देश भर में किए गए उग्र प्रदर्शनों ने आयोग को यह

अहसास करा दिया कि बंद कमरों में बैठकर और राजनीतिक दलों के बड़े प्रतिनिधिमंडलों से मिलने से इनकार करके जनता के भरोसे को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। लोकतांत्रिक संस्थाओं का यह अड़ियल रवैया ही देश में संस्थागत संकट को जन्म देता है, जहां जनता का भरोसा अपनी ही चुनी हुई व्यवस्था से उठने लगता है। इस पूरे घटनाक्रम में देश की न्यायपालिका, विशेषकर सुप्रीम कोर्ट की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण और मार्गदर्शक रही है। विपक्ष द्वारा दायर विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए देश के वरिष्ठ अधिकता कपिल सिब्बल और अन्य कानूनी विशेषज्ञों



ने न्यायालय के समक्ष यह अकाट्य तथ्य रखा कि नागरिकों को बिना किसी सुनवाई का अवसर दिए, बिना किसी प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का पालन किए उनके मताधिकार से वंचित किया जा रहा है, तो सर्वोच्च न्यायालय ने इस पर अत्यंत सख्त रुख अपनाया। अक्टूबर महीने के दौरान सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनाव आयोग से सीधे जवाब तलब किए जाने और इस पूरी प्रक्रिया की वैधानिकता पर सवाल उठाए जाने के बाद ही आयोग के भीतर प्रशासनिक हलचल तेज हुई। न्यायपालिका की यह सक्रियता एक बार फिर साबित करती है कि जब देश की लोकतांत्रिक संस्थाएं अपनी निष्पक्षता खोने लगती हैं या किसी एक विचारधारा के दबाव में काम करने का भ्रम पैदा करती हैं, तब संविधान के असली रक्षक के रूप में

मां बगलामुखी : जहां साधना में सिद्धि, आराधना में विजय की कामना



–सुरेश गांधी

आस्था का ऐसा धाम, जहां पांडवों की विजय की पौराणिक मान्यता से लेकर आज के राजनीतिक संघर्षों तक मां के दरबार में सफलता को कामना लेकर पहुंचते हैं श्रद्धालु; लखुंदर नदी के तट पर शक्ति, साधना और विश्वास की सदियों पुरानी परंपरा का अनूठा संसार। आगर-मालवा, मध्य प्रदेश। जीवन जब संघर्षों से घिरता है, परिस्थितियां प्रतिकूल होने लगती हैं और सामने लड़नी चुनौतियां मनुष्य के धैर्य की परीक्षा लेती हैं, तब वह किसी ऐसी शक्ति की तलाश करता है, जो उसे भीतर से संबल दे सके। कोई प्रार्थना में शांति खोजता है, कोई साधना में समाधान और कोई अपने आराध्य के चरणों में विजय का संकल्प रखता है। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में मां बगलामुखी का स्वरूप इसी शक्ति, संकल्प और बाधाओं के शमन की मान्यता से जुड़ा है। मध्य प्रदेश के आगर-मालवा जिले में लखुंदर नदी के तट पर स्थित नलखेड़ा का मां बगलामुखी मंदिर इस विश्वास का ऐसा विशिष्ट केंद्र है, जहां आस्था के साथ तंत्र साधना की प्राचीन परंपराएं भी जीवंत हैं। इस धाम की पहचान कई स्तरों पर खुलती है।

कहीं पीतांबरा देवी का अलौकिक स्वरूप श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है, कहीं गर्भगृह का स्वर्ण-रजत शृंगार अपनी भव्यता से ध्यान खींचता है और कहीं हवन कुंड के सामने विशिष्ट मुद्राओं में बैठे साधकों का अनुष्ठान कोहल जगाता है। मंदिर की सबसे चर्चित मान्यता महाभारतकाल से जुड़ी है। कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण के निर्देश पर महाराजा युधिष्ठिर ने यहां मां की आराधना कर विजय का आशीर्वाद मांगा था। इसी विश्वास की छाया आधुनिक जीवन के संघर्षों और चुनावी राजनीति तक दिखाई देती है, जब अनेक श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं के साथ मां के दरबार में पहुंचते हैं। बताया जाता है कि मंदिर के सामने लगभग 80 फुट ऊंची दीपमाला है, जिसे विशेष धार्मिक अवसरों पर प्रज्वलित किए जाने की परंपरा से जोड़ा जाता है। मंदिर के सभा मंडप में सोहल स्तंभ होने और उसके निर्माण को संवत 1815 से जोड़ने का किंवदंती भी मिलता है। कुछ विवरणों में कारीगर तुलाराम का नाम उल्लिखित है।

इसी तरह मंदिर के वर्तमान स्वरूप को विक्रमादित्य के काल से जोड़ने की मान्यता है। मंदिर के आसपास

स्थित अन्य धार्मिक स्थल, शिव मंदिर और पुरानी छतरी भी इस क्षेत्र की धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत हैं। मंदिर में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला वर्ष भर चलता रहता है। सुबह दर्शन के लिए आने वाले भक्त मां के चरणों में पुष्प अर्पित करते हैं, अपनी मनोकामना रखते हैं और पूजा-अर्चना के बाद परिसर में कुछ समय बिताते हैं। नवरात्र के दौरान शक्ति उपासना का महत्व और बढ़ जाता है। इन दिनों विशेष पूजा, हवन और दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ जाती है। पीले वस्त्रों, पुष्पों और प्रसाद की परंपरा मां के पीतांबरा स्वरूप से जुड़ी धार्मिक मान्यता को जीवंत करती है। कुछ तांत्रिक परंपराओं में रात्रिकालीन साधना का उल्लेख मिलता है। हालांकि, साधना का समय, मंत्रों की संख्या और अनुष्ठान की विधि परंपरा के अनुसार बदल सकती है। सामान्य भक्त श्रद्धापूर्वक दर्शन, पुष्प अर्पण और अपनी सामर्थ्य के अनुसार पूजा



को पीले वस्त्र, पीले पुष्प, पीली चुनरी और पीले रंग की पूजन सामग्री अर्पित की जाती है। मां बगलामुखी की प्रतिमा के पारंपरिक वर्णन में एक हाथ से शत्रु की जिह्वा पकड़ने और दूसरे हाथ में गदा धारण करने का उल्लेख मिलता है। यह स्वरूप उनकी स्तंभन शक्ति का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक व्याख्या में इसका

मध्य प्रदेश के नलखेड़ा में लखुंदर नदी के तट पर स्थित मां बगलामुखी का दरबार केवल एक मंदिर नहीं, आस्था और साधना का ऐसा केंद्र है, जहां श्रद्धा के साथ संकल्प भी शीश नवाता है। पीतांबरा मां के इस धाम में पीला रंग महज पूजा का विधान नहीं, शक्ति, तेज और आध्यात्मिक विश्वास का प्रतीक बन जाता है। दस महाविद्याओं में आठवीं मानी जाने वाली मां बगलामुखी को शत्रु की वाणी और शक्ति को स्तम्भित करने वाली देवी के रूप में पूजा जाता है। मान्यता है कि महाभारत के युद्ध में विजय की कामना से पांडवों ने भगवान श्रीकृष्ण की प्रेरणा पर मां की आराधना की थी। यहां की साधना परंपरा में हवन का विशिष्ट महत्व है। मंत्रों की गूंज, अग्नि की लपटें और आहुतियों की सुगंध वातावरण को आध्यात्मिक अनुभूति से भर देती हैं। गर्भगृह की स्वर्ण-रजत सज्जा मंदिर की भव्यता बढ़ाती है, जबकि मां के दर्शन के लिए दूर-दराज से पहुंचने वाले श्रद्धालु अपने जीवन के संघर्षों में विजय और मन की स्थिरता की कामना करते हैं। राजनीति के गलियारों से लेकर सामान्य जनजीवन तक, मां के दरबार में पहुंचने वालों की आकांक्षाएं भले अलग हों, लेकिन विश्वास का केंद्र एक ही है—शक्ति का आशीर्वाद। नलखेड़ा का यह धाम मानो संदेश देता है कि सच्ची विजय केवल विरोधी को परास्त करने में नहीं, बल्कि अपने भय, संशय और दुर्बलताओं पर विजय पाने में है

कर सकते हैं।

संघर्ष में शक्ति की आराधना नलखेड़ा के मां बगलामुखी मंदिर की धार्मिक पहचान का सबसे महत्वपूर्ण सूत्र महाभारत से जुड़ी वह कथा है, जिसमें पांडवों की विजय की कामना के साथ देवी की उपासना का उल्लेख मिलता है। प्रचलित मान्यता के अनुसार, महाभारत युद्ध की कठिन परिस्थितियों में भगवान श्रीकृष्ण ने महाराजा युधिष्ठिर को मां बगलामुखी की आराधना करने का परामर्श दिया था। कहा जाता है कि पांडवों ने देवी के त्रिशक्ति स्वरूप की उपासना की और उनसे विपत्तियों से उबरने तथा विजय प्राप्त करने का आशीर्वाद मांगा। शाक्त परंपरा में दस महाविद्याओं का विशेष महत्व है। इन्हें आदिशक्ति के दस विशिष्ट स्वरूपों के रूप में पूजा जाता है। मां बगलामुखी इनमें आठवीं महाविद्या मानी जाती हैं। उनका स्वरूप सामान्य मातृ-छवि से कुछ अलग है। वह एकल और भक्तों को अभय और आत्मबल देने वाली देवी के रूप में पूजित हैं, तो दूसरी ओर उनकी उपासना बाधक शक्तियों के स्तंभन की अवधारणा से जुड़ी है। मां को पीतांबरा कहे जाने का कारण पीले रंग से जुड़ी धार्मिक परंपरा है। पीत अर्थात् पीला और अंबर अर्थात् वस्त्र। पीला रंग भारतीय धार्मिक संस्कृति में शुभता, ऊर्जा, ज्ञान और मंगल का प्रतीक माना गया है। इसी भाव से मां

संबंध विरोधी या बाधक शक्ति की गति रोकने से है। आध्यात्मिक दृष्टि से इसे अनियंत्रित वाणी, आवेश और विकर्षकीन व्यवहार पर नियंत्रण के संदेश के रूप में भी समझा जा सकता है। मनुष्य कई बार बाहरी परिस्थितियों से कम और अपने क्रोध, अहंकार तथा अत्यंतमित वाणी से अधिक पराजित होता है। इस अर्थ में मां का स्वरूप केवल शत्रु पर विजय की कामना नहीं, बल्कि स्वयं पर विजय प्राप्त करने की प्रेरणा भी देता है। नलखेड़ा मंदिर की धार्मिक विशेषताओं में मां बगलामुखी के साथ महालक्ष्मी और महासरस्वती के स्वरूपों का उल्लेख भी मिलता है। इस उपासना परंपरा में शक्ति, समृद्धि और ज्ञान को एक-दूसरे का पूरक माना जाता है। महालक्ष्मी संपन्नता और शुभता की प्रतीक हैं, जबकि महासरस्वती विद्या, विवेक और वाणी की अधिष्ठात्री मानी जाती हैं। मां बगलामुखी का स्वरूप आत्मबल और बाधाओं के शमन से जोड़ा जाता है। इन तीनों के संयुक्त भाव को भक्त त्रिशक्ति के रूप में देखते हैं। इस अवधारणा का संदेश गहरा है। शक्ति हो, लेकिन विवेक न हो तो उसका उपयोग दिशाहीन हो सकता है। संपन्नता हो, लेकिन ज्ञान और संयम न हो तो उसका सदुपयोग कठिन है। इसी तरह ज्ञान हो, लेकिन साहस न हो तो कठिन परिस्थितियों में निर्णय लेना मुश्किल हो जाता है। शक्ति, विवेक और समृद्धि का संतुलन ही जीवन को

देश की शीर्ष अदालत को ही आगे आना पड़ता है। अदालत की इस सख्त निगरानी और लगातार बढ़ते जन-आक्रोश का ही नतीजा है कि चुनाव आयोग ने अपने अड़ियल रुख को छोड़ते हुए वार्ता और सुधार का रास्ता चुना है।

आयोग द्वारा घोषित किए गए चार बड़े सुधार और 17 लाखों एवं केंद्र शक्ति प्रदर्शनों में लागू होने वाली 'स्पेशल समरी रिवीजन' 2027 की समयसीमा—जिसके तहत 12 नवंबर 2026 को ड्राफ्ट रोल और 4 जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची जारी की जानी है—सैद्धांतिक रूप से एक सकारात्मक कदम लग सकती है। लेकिन व्यावहारिक धरातल पर इस कदम की सार्थकता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या आयोग वाकई स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम करने की अपरन्धी खोई हुई साख को वापस पा सकता है। विपक्ष की यह मांग पूरी तरह न्यायसंगत है कि समूची मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया का एक स्वतंत्र न्यायिक या उच्च-स्तरीय तकनीकी ऑडिट कराया जाना चाहिए। जब तक एक-एक कटे हुए नाम की सत्यता की जांच नहीं हो जाती और यह सुनिश्चित नहीं कर लिया जाता कि भविष्य में सॉफ्टवेयर या मानवीय त्रुटि के नाम पर किसी भी वैध नागरिक का नाम सूची से बाहर नहीं होगा, तब तक किसी भी नए सुधार को केवल एक राजनीतिक 'डेमो बैकड्रोल' की कवायद ही माना जाएगा। निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की सबसे बड़ी पूंजी उसका 'इकबाल' और आम जनता का उस पर अटूट विश्वास होता है। टी.एन. शेषन जैसे पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों के

दौर में इस संस्था ने जो स्वायत्तता और धमक अर्जित की थी, हालिया वर्षों में उस पर गंभीर आंच आई है। पक्षपात के आरोपों, सत्तापक्ष की रैलियों और बयानों पर नरमी तथा विपक्ष की शिकायतों पर अत्यधिक कड़ाई के आरोपों ने आयोग की छवि को एक 'कमजोर अंपायर' जैसी बना दिया है। ऐसे में, यदि आयोग अब सुधारों के लिए तैयार हुआ है, तो उसे केवल नियमों में मामूली फेरबदल करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि अपनी कार्यशैली में पूर्ण पारदर्शिता लानी होगी। विपक्षी दलों के साथ बैठकों को केवल औपचारिकता न बनाकर उनके द्वारा उठाए गए तकनीकी और जमीनी मुद्दों का ठोस समाधान खोजना होगा।

यह समझना आवश्यक है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव किसी भी जीवंत लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। यदि चुनाव की पहली सीढ़ी—यानी मतदाता सूची—ही संदेह के घेरे में आ जाए, तो उसके बाद आने वाले किसी भी जनादेश पर सवाल उठना लाजिमी है। चुनाव आयोग का यह झुकाव इस बात का प्रमाण है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सामूहिक जन-दबाव और कानूनी संघर्ष के सामने बड़ी से बड़ी संस्थाओं को भी जवाबदेह बनना पड़ता है। एक फ्रीलॉंस प्रक्रार के रूप में निष्पक्षता से विचार किया जाए तो यह संकट केवल किसी एक राजनीतिक दल का नहीं है, बल्कि देश के हर उस नागरिक का है जो यह मानता है कि लोकतंत्र में उसकी आवाज की मूल्य है। आयोग को यह स्पष्ट करना होगा कि तकनीकी विकास और डिजिटल अभियानों के नाम पर आम ग्रामीण या आर्थिक रूप से

पिछड़े मतदाता को उसकी अज्ञानता के कारण व्यवस्था से बाहर न कर दिया जाए, क्योंकि अक्सर देखा गया है कि डिजिटल सुधारों की सबसे पहली गाज समाज के सबसे हाशिए पर खड़े व्यक्ति पर ही गिरती है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में यह बर्दाश्त नहीं किया जा सकता कि कोई सरकारी मशीनरी अपनी मर्जी से नागरिकों को उनके मूलभूत अधिकारों से बेदखल कर दे।

अंततः, निर्वाचन आयोग का यह कदम सुधार की केवल शुरुआत है, मजिल नहीं। जब तक देश का आखिरी मतदाता यह महसूस नहीं करता कि उसका वोट पूरी तरह सुरक्षित है और कोई भी प्रशासनिक मशीनरी उसकी जानकारी के बिना उसे मतदाता सूची से बाहर नहीं कर सकती, तब तक भारतीय लोकतंत्र की शुचिता का दावा अधूरा ही रहेगा। विपक्ष का यह रुख कि वे इस लड़ाई को तार्किक अंत तक ले जाएंगे, यह दशाता है कि आगामी दिनों में राजनीतिक और कानूनी मोर्चे पर चुनावी सुधारों को लेकर बहस और तेज होने वाली है। आयोग को अब केवल काणजी आश्वासनों और शब्दों से आगे बढ़कर धरातल पर अपनी निष्पक्षता सिद्ध करनी होगी, क्योंकि लोकतंत्र में संस्थाएं केवल संवैधानिक अनुच्छेदों से नहीं, बल्कि जन-विश्वास और नैतिक आचरण से जीवित रहती हैं। यदि आयोग इस ऐतिहासिक मोड़ पर अपनी साख बचाने में विफल रहता है, तो यह केवल एक संस्था का विफलता नहीं होगी, बल्कि यह पूरे भारतीय णरातंत्र के भविष्य के लिए एक अत्यंत चिंताजनक और आत्मघाती संकेत होगा।

हवनों में मंत्र-जप, निर्धारित आहुतियां और परंपरागत सामग्री का प्रयोग किया जाता है। कुछ साधना-पद्धतियों में विशिष्ट जड़ी-बूटियों का भी उल्लेख मिलता है। हालांकि, हर अनुष्ठान की विधि एक जैसी नहीं होती। सामग्री और प्रक्रिया साधना की परंपरा तथा संबंधित संप्रदाय के अनुसार बदल सकती है। तंत्र साधना को केवल रहस्यमय क्रियाओं के रूप में देखना भी उचित नहीं है। भारतीय धार्मिक परंपराओं में इसकी विभिन्न धाराओं के भीतर मंत्र, ध्यान, अनुशासन, उपासना और आध्यात्मिक एकाग्रता का महत्व रहा है।

तंत्र साधना का केंद्र मां बगलामुखी की उपासना शाक्त परंपरा की उन धाराओं से जुड़ी है, जिसमें मंत्र और अनुष्ठान का विशिष्ट स्थान है। इसी वजह से मंदिर सामान्य दर्शन के साथ-साथ विशेष साधना में रुचि रखने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी महत्वपूर्ण माना जाता है। मंदिर के आसपास भैरव और हनुमानजी के धार्मिक स्थलों का उल्लेख है। परिसर में हवन कुंड और आसपास के कुछ क्षेत्रों में इमशान की उपस्थिति का वर्णन भी तंत्र साधना से जुड़े विवरणों में किया जाता है। शाक्त परंपरा की कुछ धाराओं में इमशान साधना का विशेष धार्मिक महत्व है, लेकिन केवल इस भौगोलिक स्थिति के आधार पर मंदिर की प्रत्येक गतिविधि को तांत्रिक अनुष्ठान मान लेना उचित नहीं होगा। मां बगलामुखी की साधना में स्तंभन की अवधारणा प्रमुख है। भक्त इसे विरोध, बाधा और संकट के प्रभाव को शांत करने की कामना से जोड़ते हैं। इसी कारण जीवन के कठिन दौर से गुजर रहे लोग यहां पूजा-अर्चना और हवन कराते हैं। यहां आने वाले श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं अलग-अलग हो सकती हैं। कोई कानूनी विवाद से मुक्ति चाहता है, कोई पावित्रारिक शांति और कोई अपने कार्य में सफलता। पूजा उनके लिए आस्था का माध्यम है, लेकिन किसी अनुष्ठान से निश्चित रूप से मुकदमे में जीत, बीमारी से मुक्ति या विरोधी के परास्त होने की गारंटी नहीं दी जा सकती।

द्वारप से कलियुग तक : स्वयंभू प्रतिमा की मान्यता

मंदिर की प्राचीनता को लेकर एक महत्वपूर्ण मान्यता यह है कि मां बगलामुखी की प्रतिमा यहां शाश्वत काल से विराजमान है। इसे स्वयंभू मानने की परंपरा प्रचलित है। कुछ धार्मिक विवरण इस स्थान की प्राचीनता पांच हजार वर्ष से अधिक बताते हैं। मां बगलामुखी की प्रतिमाओं को लेकर नेपाल, मध्य प्रदेश के दतिया और नलखेड़ा का उल्लेख कुछ धार्मिक विवरणों में मिलता है। मंदिर की धार्मिक पहचान के साथ उसकी स्थापत्य परंपरा भी ध्यान आकर्षित करती है। उपलब्ध विवरणों में गर्भगृह की मोटी दीवारों, बाहरी दीवारों पर कलात्मक आकृतियों, सभा मंडप और मंदिर के सामने स्थित ऊंची दीपमाला का उल्लेख मिलता है।

लखुंदर नदी के तट पर आस्था

का विस्तार मंदिर के पीछे बहने वाली लखुंदर नदी इस स्थल की भौगोलिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नदी, मंदिर और आसपास के धार्मिक स्थलों का संयोजन यहां आने वाले श्रद्धालुओं को एक विशिष्ट धार्मिक परिवेश प्रदान करता है। नदी के जल के कभी न सूखने जैसी बातें स्थानीय मान्यताओं में सुनने को मिल सकती हैं, लेकिन इसे स्थायी भौगोलिक तथ्य मानने के लिए जलप्रवाह और स्थानीय जलविज्ञान संबंधी प्रमाण आवश्यक हैं। मंदिर परिसर में अखंड ज्योति, हनुमानजी के धार्मिक स्थल और हवन की परंपरा से जुड़ी मान्यताएं भी श्रद्धालुओं के अनुभव का हिस्सा हैं। पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच यह स्थल केवल किसी एक मनोकामना की पूर्ति के लिए आने वाले लोगों का केंद्र नहीं, बल्कि शक्ति उपासना की व्यापक परंपरा का प्रतिनिधि भी है।

मां बगलामुखी की आराधना का आध्यात्मिक संदेश मां बगलामुखी की उपासना का सबसे चर्चित भाव शत्रुओं पर विजय का है। मनुष्य के जीवन में भय, क्रोध, असंयम, अहंकार और अनिर्णय भी बड़ी बाधाएं हैं। कई बार परिस्थितियों को बदलने से पहले अपने विचारों और व्यवहार को बदलना आवश्यक होता है। मां की आराधना में वाणी और गति को नियंत्रित करने की जो अवधारणा है, उसे आत्मसंयम और विवेक के संदेश के रूप में भी देखा जा सकता है। शक्ति का अर्थ केवल किसी को परास्त करना नहीं, बल्कि कठिन परिस्थिति में स्वयं को संभालना भी है। विजय का अर्थ केवल विरोधी को हाराना नहीं, बल्कि अन्याय से बचते हुए अपने कर्तव्य पर दृढ़ रहना भी है। यही वह दृष्टि है, जो मां बगलामुखी के विवाद से मुक्ति चाहता है, कोई कानूनी विवाद से मुक्ति चाहता है, कोई पावित्रारिक शांति और कोई अपने कार्य में सफलता। पूजा उनके लिए आस्था का माध्यम है, लेकिन किसी अनुष्ठान से निश्चित रूप से मुकदमे में जीत, बीमारी से मुक्ति या विरोधी के परास्त होने की गारंटी नहीं दी जा सकती।

द्वारप से कलियुग तक : स्वयंभू प्रतिमा की मान्यता मंदिर की प्राचीनता को लेकर एक महत्वपूर्ण मान्यता यह है कि मां बगलामुखी की प्रतिमा यहां शाश्वत काल से विराजमान है। इसे स्वयंभू मानने की परंपरा प्रचलित है। कुछ धार्मिक विवरण इस स्थान की प्राचीनता पांच हजार वर्ष से अधिक बताते हैं। मां बगलामुखी की प्रतिमाओं को लेकर नेपाल, मध्य प्रदेश के दतिया और नलखेड़ा का उल्लेख कुछ धार्मिक विवरणों में मिलता है। मंदिर की धार्मिक पहचान के साथ उसकी स्थापत्य परंपरा भी ध्यान आकर्षित करती है। उपलब्ध विवरणों में गर्भगृह की मोटी दीवारों, बाहरी दीवारों पर कलात्मक आकृतियों, सभा मंडप और मंदिर के सामने स्थित ऊंची दीपमाला का उल्लेख मिलता है।



मुंबई ग्राहक पंचायत की वैशाली पारवेकर नवदुर्गा पुरस्कार से सम्मानित



पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र की अग्रणी ग्राहक संस्था मुंबई ग्राहक पंचायत की बोईसर-तारापुर विभाग की कार्यवाह वैशाली पारवेकर को उनके उल्लेखनीय सामाजिक योगदान और ग्राहक जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका के लिए प्रतिष्ठित नवदुर्गा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान 16 अक्टूबर को मुंबई के अंधेरी स्थित सिंफनी बैंकवेट सभागृह में आयोजित सेतू बांधा रे कार्यक्रम के दौरान प्रदान किया गया। इस उपलब्धि से बोईसर-तारापुर क्षेत्र में हर्ष का माहौल है और विभिन्न स्तरों पर उनका अभिन्नंदन किया जा रहा है।

मुंबई ग्राहक पंचायत द्वारा पिछले तीन वर्षों से नवदुर्गा उपक्रम चलाया जा रहा है। इस वर्ष इस पहल का चौथा वर्ष है। इसी के तहत वैशाली पारवेकर को उनके दीर्घकालीन कार्य, संगठन के प्रति समर्पण एवं समाज में ग्राहक जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। बता दें कि वैशाली पारवेकर पिछले 20 वर्षों से भी अधिक समय से मुंबई ग्राहक पंचायत की गतिविधियों से जुड़ी हुई हैं। संस्था के शैक्षणिक विभाग में सक्रिय रहते हुए उन्होंने ग्राहक जागरूकता और उपभोक्ताओं के अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। निजी कोचिंग कक्षाएं संचालित करने वाली पारवेकर दसवीं कक्षा से लेकर इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों तक को विशेष मार्गदर्शन प्रदान करती हैं। एक समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में वह उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों की जानकारी देने, वरिष्ठ नागरिकों का मार्गदर्शन करने और विद्यार्थियों में ग्राहक जागरूकता विकसित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहती हैं। इसके साथ ही ग्राहक मेले आयोजित करने, ग्राहक संघों से संपर्क बढ़ाने, नए संघों की स्थापना करने, महिला समेलनों तथा संच प्रमुखों की बैठकों के आयोजन और नियोजन में भी उनकी सक्रिय भूमिका रहती है। अंधेरी में आयोजित सम्मान समारोह में मुंबई ग्राहक पंचायत के कार्याध्यक्ष एडवोकेट शिरीष देशपांडे, प्रमुख अतिथि एवं प्राध्यापक महेंद्र सेठिया, ज्ञान प्रबोधिनी पुणे के कार्यवाह तथा विशेष अतिथि डॉ. गिरीश कुलकर्णी (स्नेहालय, अहिल्यानगर) सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इन मान्यवरों के हाथों वैशाली पारवेकर को हानवदुर्गा पुरस्कार प्रदान किया गया। ग्राहक विभाग की रक्षा, सामाजिक जागरूकता और विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के क्षेत्र में वैशाली पारवेकर के निरंतर योगदान को इस सम्मान के माध्यम से विशेष पहचान मिली है। उनकी इस उपलब्धि पर मुंबई ग्राहक पंचायत के सदस्यों, सहयोगियों और शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है।

स्वाभिमान सेवा संस्था की रजत जयंती पर स्थापित की गई 25 फुट ऊंची बथुकम्मा



भिवंडी (उत्तरशक्ति)। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में नवरात्रि के दौरान प्रचलित रूप से मनाया जाने वाला बथुकम्मा उत्सव भिवंडी के पद्मानगर क्षेत्र में भी बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। स्वाभिमान सेवा संस्था द्वारा इस वर्ष अपने उपक्रम के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शुक्रवार शाम 25 फुट ऊंची भव्य बथुकम्मा स्थापित की गई, जिसके चारों ओर सैकड़ों महिलाओं ने पारंपरिक गीत गाते हुए नृत्य किया और उत्सव का आनंद लिया। बथुकम्मा तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के समाज की महिलाओं का प्रमुख पारंपरिक पुष्पोत्सव है। इस अवसर पर महिलाएं रंग-बिरंगे फूलों की थालियों में आकर्षक ढंग से सजाती हैं और पारंपरिक गीत गाते हुए गोल घेरा बनाकर नृत्य करती हैं। उत्सव के समापन पर इन विशेष आकर्षण के रूप में 25 फुट ऊंची बथुकम्मा तैयार की गई। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित महिलाओं को उपहार भेंट किए गए। इस अवसर पर पूर्व नगरसेविका शशिलता शेठ्ठी, प्रभाग समिति सभापति रजिता कोंडा, नगरसेवक सुमित पाटील, आरपीआई के शहर अध्यक्ष महेंद्र गायकवाड, अखिल पद्मशाली समाज के अध्यक्ष रामकृष्ण पोद्दारबतिनी, कार्याध्यक्ष कोंका मल्लेशम, कोषाध्यक्ष अवधूत बलराम, उपाध्यक्ष बाले श्रीनिवास, कोंडा मोहन, वल्लाभ मोहन सहित समाज के अनेक वरिष्ठ नागरिक और महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित थीं।

पालघर जिला परिषद में उमेद मार्ट का पालकमंत्री गणेश नाईक ने किया उद्घाटन

महिला स्वयं सहायता समूहों को मिलेगा बाजार, ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिला परिषद परिसर में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किये गये उमेद मार्ट का उद्घाटन शनिवार को महाराष्ट्र के पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाईक के हाथों किया गया। इस पहल से ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों को स्थायी बाजार मिलने के साथ उनके आर्थिक सशक्तिकरण और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। यह विश्वास पालकमंत्री गणेश नाईक ने उद्घाटन समारोह के दौरान व्यक्त किया।

कार्यक्रम में विधायक राजेंद्र गावित, प्रसिद्ध तारपा वादक पद्मश्री भिकल्या धिंडा, पूर्व जिला परिषद

अध्यक्ष प्रकाश निकम, जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेंद्र पाटील, पूर्व कृषि सभापति संदीप पावडे, पूर्व जिला परिषद सदस्य नीता पाटील और भावना विचारे सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा एवं जिला परिषद पालघर के माध्यम से शुरू किये गये उमेद मार्ट में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री की जायेगी। इस पहल का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं के हुनर को व्यावसायिक मंच प्रदान



करना, उनके उत्पादों की पहचान बढ़ाना तथा बिक्री के माध्यम से उनकी आय में वृद्धि करना है। अक्सर ग्रामीण महिलाएं विभिन्न

प्रकार के उत्पाद तैयार करती हैं, लेकिन उन्हें अपने उत्पादों की बिक्री के लिए उचित बाजार नहीं मिल पाता। उमेद मार्ट इस समस्या को दूर

करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। इसके माध्यम से महिलाएं केवल उत्पादन तक सीमित न रहकर विपणन, बिक्री और व्यवसाय विस्तार की दिशा में भी आगे बढ़ सकेंगी। उमेद मार्ट में विभिन्न खाद्य पदार्थों, वारली चित्रकला, लकड़ी पर उकेरी गई कलाकृतियों, हस्तशिल्प की वस्तुओं, आभूषणों तथा अन्य स्थानीय उत्पादों की बिक्री की जायेगी। इससे पालघर जिले की स्थानीय कला, संस्कृति और पारंपरिक

को भी स्थानीय उत्पाद खरीदने का अवसर मिलेगा। इससे महिला स्वयं सहायता समूहों को नियमित ग्राहक प्राप्त होने तथा उनके उत्पादों की बिक्री बढ़ने की उम्मीद है। उमेद मार्ट ग्रामीण महिलाओं को अपने कौशल के दम पर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। स्थानीय उत्पादों को उचित बाजार मिलने से महिला समूहों की आय बढ़ाने, स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी। इस पहल से पालघर जिले की महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों को व्यापक पहचान दिलाने का नया अवसर प्राप्त होगा।

ऑडी इंडिया ने 'ऑल-न्यू ऑडी Q3' लॉन्च की

मुंबई। जर्मनी की प्रतिष्ठित लज्जरी कार निमाता कंपनी ऑडी ने आज भारतीय बाजार में अपनी बेहद लोकप्रिय कॉम्पैक्ट लज्जरी एसयूवी 'बिल्कुल नई ऑडी Q3' को आधिकारिक तौर पर लॉन्च कर दिया है। छत्रपति संभाजीनगर स्थित एसएवीडब्ल्यूआईपीएल प्लांट में असेंबली की गई इस नई ऑडी Q3 में 150 किलोवाट की पावर, ऑडी की सिग्नेचर 'क्वाट्रो' ऑल-व्हील ड्राइव तकनीक और डिजिटल व लाइटिंग से जुड़ी अत्याधुनिक सुविधाएं दी गई हैं। कार का केबिन पूरी तरह से टेक्नोलॉजी से भरपूर है, जिसमें डिजिटल स्टेज पैनोरमिक डिस्प्ले (30.22 सेमी का ऑडी वर्चुअल कॉकपिट और 32.51 सेमी का एमएमआई टच डिस्प्ले), हेड-अप डिस्प्ले और 420 वॉट एम्पलीफायर आउटपुट वाला 12-स्पीकर सोनोस प्रीमियम साउंड सिस्टम शामिल है। नई ऑडी Q3

का एक्सटीरियर डिजाइन काफी स्पोर्टी और आधुनिक है। इसमें 25,600 माइक्रो-एलईडी वाली डिजिटल मेट्रिक्स एलईडी हेडलाइट्स दी गई हैं, जो लेन लाइटिंग और ओरिएंटेशन लाइटिंग जैसे फीचर्स प्रदान करती हैं। इसमें ए-ट्राम रनिंग लाइट के चार सिग्नेचर विकल्प, तीन एडवांस्ड डायनेमिक लाइट सीक्वेंस और पीछे की तरफ रोशन ऑडी रिंग्स मिलते हैं। कार में 45.72 सेमी (R18) के फाइव-आर्म एयरो अलॉय व्हील्स, पैनोरमिक स्नरूप और 30 रंगों वाला एंबेड्डेड लाइटिंग पैकेज दिया गया है। यह एसयूवी पांच आकर्षक बाहरी रंगों (सेज ग्रीन, माइथॉस ब्लैक, ग्लेशियर व्हाइट, नवारा ब्लू और तंबोरा ग्रे) तथा दो इंटीरियर थीम्स (टेमरिंस् ब्राउन और पगामेंट बेज) में उपलब्ध होगी। इसकी शुरुआती कीमत 51,99,000 रुपये (एक्स-शोरूम) रखी गई है।

बहन पर अपशब्द कहने के विवाद में युवक की हत्या, चार घंटे में दो आरोपी गिरफ्तार

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। बहन के खिलाफ अपशब्द कहने की रंजिश में 27 वर्षीय सूरज रणजीत शर्मा की हत्या कर शव बोरे में भरकर अंजूर गांव के सुनसान इलाके में फेंक दिया गया। नारपोली पुलिस ने घटना के चार घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि तीसरा आरोपी फरार है। पुलिस के अनुसार, 15 अक्टूबर को दोपहर करीब 12:30 बजे अंजूर गांव की सीमा में बोरे में बंद शव मिला। मृतक की पहचान मानकोली निवासी सूरज शर्मा के रूप में हुई। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय कादबाने, अपराध पुलिस निरीक्षक समाधान चव्हाण और प्रशासन पुलिस निरीक्षक अतुल अडुकर के



मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने जांच शुरू की। तकनीकी जांच, गुप्त सूचना और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने संदेश विश्वास खंडारे (20) और आकाश धर्मा पवार (19), दोनों निवासी मानकोली, को हिरासत में लिया। पूछताछ में सामने आया कि सूरज ने कुछ दिन पहले आकाश को बहन के खिलाफ

अपशब्द कहे थे। इसी रंजिश में आरोपियों ने उसे चाय पीने के बहाने बुलाया और सीमेंट के प्लास्टर के टुकड़ों से सिर पर हमला कर हत्या कर दी। इसके बाद शव बोरे में भरकर फेंक दिया। दोनों आरोपियों को भिवंडी न्यायालय में पेश कर पर 21 अक्टूबर

तक पुलिस हिरासत सुनाई गई। पुलिस फरार तीसरे आरोपी और हत्या में इस्तेमाल सामग्री की तलाश कर रही है। मामले की जांच सहायक प्रोडक्ट्स और बेहतरीन अनुभवों को खोजने का मौका मिलता है।

लक्स फेस्ट के जरिए शॉपर्स स्टॉप प्रीमियम अनुभव को तोहफों के साथ-साथ उन्हें खोजने, परखने और चुनने के तरीके तक ले जा रहा है, जिससे गिफ्टिंग का पूरा सफर और भी लुभावना बन जाता है।

यह कैपेन डिजिटल दुनिया में भी अपनी पहुंच बना रहा है। एआई पर आधारित एक पर्सनलाइज्ड त्योहारी अनुभव के जरिए गिफ्टिंग और त्योहारी स्टॉइज को ज्यादा इंटरैक्टिव बनाया गया है।

शॉपर्स स्टॉप गिफ्ट्स ऑफ लव के साथ लाया तोहफों का त्योहारी उत्साह

मुंबई। दिवाली रोशनी और अपनों के साथ का त्योहार है, जिसमें हम उन लोगों के साथ खुशियां मनाते हैं जो हर पल को ख़ास बना देते हैं। यह वह समय भी है, जब सोच-समझकर चुना गया एक तोहफा प्यार, आभार और सराहना जताने का जरिया बन जाता है। इस दिवाली, भारत का अग्रणी प्रीमियम फैशन, ब्यूटी और गिफ्टिंग डेस्टिनेशन शॉपर्स स्टॉप गिफ्ट्स ऑफ लव के साथ तोहफे देने की भावना को नया रंग दे रहा है। यह त्योहारी गिफ्टिंग का एक क्यूरेटेड कलेक्शन है, जो उन तमाम रितियों का जश्न मनाता है, जिनसे यह मौसम सार्थक बनता है। दिवाली पर परिवार, दोस्त और करीबी लोग एक साथ जुटते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए गिफ्ट्स ऑफ

लव में ब्यूटी, परफ्यूम, घड़ियों, हैंडबैग, सनलासेज, फुटवियर और एक्सेसरीज के ढेरों विकल्प एक जगह पेश किए गए हैं, ताकि ग्राहक अपनी गिफ्टिंग लिस्ट में शामिल हर व्यक्ति के लिए कुछ ख़ास आसानी से ढूंढ सकें। माता-पिता या जीवसन्धियों के लिए कोई यादगार तोहफा हो, किसी दोस्त के लिए कोई त्योहारी सौगात हो या किसी सहकर्मी के लिए प्यार भरा छोटा-सा उपहार, यह कैपेन इस सोच को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है कि तोहफा तब सबसे ख़ास बनता है, जब उसे पाने वाले की पसंद को ध्यान में रखकर चुना जाए। गिफ्ट्स ऑफ लव के तहत शॉपर्स स्टॉप लक्स फेस्ट की भी पेशकश कर रहा है, जो त्योहारी गिफ्टिंग का प्रीमियम रूप है। इस पहल

में प्रीमियम फैशन, ब्यूटी और गिफ्टिंग का एक और भी ख़ास एडिंट तैयार किया गया है, जिससे ग्राहकों को अलग पहचान वाले ब्रांड्स, मनपसंद प्रोडक्ट्स और बेहतरीन अनुभवों को खोजने का मौका मिलता है। लक्स फेस्ट के जरिए शॉपर्स स्टॉप प्रीमियम अनुभव को तोहफों के साथ-साथ उन्हें खोजने, परखने और चुनने के तरीके तक ले जा रहा है, जिससे गिफ्टिंग का पूरा सफर और भी लुभावना बन जाता है। यह कैपेन डिजिटल दुनिया में भी अपनी पहुंच बना रहा है। एआई पर आधारित एक पर्सनलाइज्ड त्योहारी अनुभव के जरिए गिफ्टिंग और त्योहारी स्टॉइज को ज्यादा इंटरैक्टिव बनाया गया है।

♦20 से अधिक स्कूलों के विद्यार्थियों ने लिया भाग, डॉ. एस. डी. वर्तक स्कूल ने जीती चैंपियनशिप ट्रॉफी

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। दीप ग्लोबल स्कूल, बोईसर तथा मर्मबंध साहित्य व कला संस्था, पालघर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित त्रिवेणी अंतराशालेय साहित्य महोत्सव 2026 दीप एजुकेशन कैंपस में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। महोत्सव में बोईसर एवं आसपास के क्षेत्रों के 20 से अधिक स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी साहित्यिक प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। अंग्रेजी, हिंदी व मराठी भाषा पर आधारित इस महोत्सव में कविता पाठ, एकपात्रीय अभिनय (मोनोलॉग) और हाइकु लेखन जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी भाषाई दक्षता, कल्पनाशक्ति और अभिव्यक्ति कौशल का परिचय देते हुए प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस अवसर पर मर्मबंध साहित्य व कला संस्था के अध्यक्ष ने पालघर जिले में साहित्य, कला और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने नवोदित साहित्यकारों को मंच उपलब्ध कराने तथा साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में संस्था की भूमिका पर प्रकाश डाला।

दीप ग्लोबल स्कूल की प्रधानाचार्या वृंदा कुलकर्णी ने कहा कि साहित्यिक प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में भाषाई दक्षता,



सृजनात्मक चिंतन और आत्मविश्वास विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न भाषाओं के साहित्य से जुड़ने और अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राध्यापक विवेक कुडू ने प्रभावशाली भाषाई अभिव्यक्ति, शब्दों के उचित चयन, विचारों की स्पष्टता और आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुति के महत्व पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कविता पाठ, एकपात्रीय अभिनय और हाइकु लेखन की विशेषताओं को समझाते हुए विद्यार्थियों को उपयोगी सुझाव दिए।

प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन अनुभवी शिक्षकों के निर्णायक मंडल ने किया। इसमें चारु शाह, ज्ञानदेव कुंभार, अनिता मोहने, जागृति चौधरी, मंजु गुलाब प्रचिती सोरठी ने निर्णायक की भूमिका निभाई। आयोजन की सफलता में दीप एजुकेशन कैंपस की अध्यक्ष डॉ.

दीपा संखे के सहयोग, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के लिए आयोजकों ने उनका आभार व्यक्त किया। मर्मबंध साहित्य व कला संस्था की ओर से अनिल करवीर, शिल्पा करवीर, सुहास राऊत, सुजाता राऊत व दिनेश तारवी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

प्रतियोगिताओं के परिणामों में डॉ. एस. डी. वर्तक स्कूल ने ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की। विजेता विद्यालय के प्रदर्शन की उपस्थित अतिथियों ने सराहना की। समापन अवसर पर प्रधानाचार्या वृंदा कुलकर्णी ने घोषणा की कि दीप ग्लोबल स्कूल, मर्मबंध साहित्य व कला संस्था के सहयोग से प्रतिवर्ष ऐसे साहित्यिक आयोजनों का आयोजन करेगा, ताकि विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और भाषाई कौशल विकसित करने के अधिक अवसर मिल सकें। तीन भाषाओं के संगम पर आधारित इस महोत्सव ने विद्यार्थियों में साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाने, रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने और बहुभाषिक संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जफर गोरखपुरी पर केंद्रित इमकान के विशेषांक का विमोचन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य उर्दू साहित्य अकादमी की त्रैमासिक पत्रिका इमकान के विशेषांक जफर गोरखपुरी: शेर, शऊर और इंसानियत के तरजुमान का विमोचन गुरुवार, 15 अक्टूबर को भिवंडी के रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज में संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता केएमई सोसाइटी के उपाध्यक्ष एडवोकेट यासीन मोमिन ने की। याराने उर्दू, मुंबई के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. प्रिंसिपल मोहम्मद अस्लम शेख और केएमई सोसाइटी के महासचिव दानियाल काजी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर



मोहम्मद रफी अंसारी, अब्दुल मलिक मोमिन और प्रिंसिपल जियाउर्रहमान अंसारी ने जफर गोरखपुरी के व्यक्तित्व और उर्दू साहित्य में उनके योगदान पर विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने विशेषांक की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी पहल साहित्यकारों की रचनात्मक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में

महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम का संचालन और आभार प्रदर्शन रईस जूनियर कॉलेज के उर्दू शिक्षक शमीम इकबाल ने किया। समारोह में डॉ. राशिद सैयद, नदीम तासे, वाइस प्रिंसिपल आसिर सिद्दीकी, साहस स्टैंट हेडमास्टर मुखलिस मद्रु, शहर की गणमान्य हस्तियां और वाईसीएमओयू के विद्यार्थी उपस्थित थे। आयोजन की सफलता में इम्नियाज गोरखपुरी, अब्दुल अजीज अंसारी, तहूर मोमिन, रयान बुवेरे, शाकिर शेख और अजीम गरकाब सहित अन्य लोगों ने सहयोग दिया।

उत्तरशक्ति

* संपादक: ओमप्रकाश प्रजापति

* उप संपादक: प्रेम चंद मिश्रा

*प्रबंध संपादक: डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्ल्यू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जबल, ऑटफ हिल, वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

प्रजापति

फॅब्रीकेशन अॅण्ड गिलवर्क्स

PRAJAPATI

FABRICATION & GRILL WORKS

MANUFACTURERS OF

COMPOUND GATES, MS GRILLS, WATER TANKS, ROLL SHUTTER, COLLAPSIBLE DOOR & ALLUMINIUM SLIDING WINDOW

SHOP NO. 101, SAVERA CHS., LAST BUS STOP VEERA DESAI ROAD, ANDHERI (W), MUMBAI-400053. GST No. : 27ANKPP6297R12P

93245 26742

98200 55193

93227 55403

पाँक्सो मामले में दोषी को 10 साल की कैद, 42 हजार रुपये जुर्माना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ऑपरेशन कन्विकशन अभियान के तहत में प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरूप पाँक्सो अधिनियम से संबंधित एक मामले में न्यायालय ने अभियुक्त को 10 वर्ष के कारावास और 42 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। पुलिस के अनुसार, थाना शाहगंज में दर्ज मुकदमा संख्या 287/2021 में भारतीय दंड संहिता की धारा 452, 504, 506, 376(1), 354ख तथा पाँक्सो

अधिनियम की धारा 3/4 के तहत मामला दर्ज था। इस प्रकरण में 16 अक्टूबर 2026 को अपर सत्र न्यायाधीश, षष्ठ/विशेष न्यायाधीश (पाँक्सो अधिनियम), जौनपुर की अदालत ने अभियुक्त जैसराज उर्फ देशराज पुत्र राजेश, निवासी बड़ागांव, थाना शाहगंज को भारतीय दंड संहिता की धारा 452, 506, 376(1) और 354ख के तहत दोषसिद्ध ठहराया। न्यायालय ने अभियुक्त को 10 वर्ष के कारावास के साथ 42

हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड जमा नहीं करने पर अभियुक्त को आठ माह 15 दिन का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विकशन अभियान के तहत गुणवत्तापूर्ण विवेचना और अभियोजन की प्रभावी पैरवी के माध्यम से मामलों में दोषसिद्ध सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है।

मॉर्निंग वॉक पर निकली 55 वर्षीय महिला की सड़क हादसे में मौत, तेज रफ्तार वाहन ने मारी टक्कर

जितेन्द्र कन्नौजिया केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के केराकत थाना क्षेत्र के मथुरापुर में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में मॉर्निंग वॉक पर निकली 55 वर्षीय महिला की मौत हो गई। तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से हुए इस हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, महिला शनिवार सुबह रोजाना की तरह टहलने के लिए निकली थी। इसी दौरान मथुरापुर में एक तेज

रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और दुर्घटना में शामिल वाहन तथा दोषी को पकड़ लिया। तेज रफ्तार पर उठे सवाल- इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर सड़क पर पैदल चलने वाले लोगों की सुरक्षा का आवश्यक कार्रवाई कर रही है। खबर लिखे जाने तक मृतका की पहचान और हादसे के सटीक कारणों के संबंध में आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई थी।

केराकत के मथुरापुर में दर्दनाक हादसा, पुलिस ने वाहन और चालक को पकड़ा

सोई हुई सकारात्मक विवेक और करुणा को जगाना ही जागरणः ज्ञान प्रकाश सिंह

शाहपुर महोत्सव में रविंद्र सिंह ज्योति के गाने देवी गीतों पर झूमे दर्शक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जागरण का अर्थ केवल रातभर जागना नहीं, बल्कि अपने भीतर की सोई हुई सकारात्मकता, विवेक और करुणा को जगाना है। बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित शाहपुर शानी गांव में आयोजित शाहपुर महोत्सव के मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए समाजसेवी तथा वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि मां दुर्गा के नौ स्वरूप और उनके शस्त्र हमारे भीतर छिपे साहस, धैर्य और बुराइयों (जैसे क्रोध, लोभ, अहंकार) को समाप्त करने वाली शक्तियों के प्रतीक हैं। इस अवसर पर सहकारी समिति के पूर्व चेयरमैन कुंवर वीरेंद्र सिंह, अमरावती ग्रुप के चेयरमैन रमनीकांत मिश्र, बानार सेना के अध्यक्ष अजीत सिंह, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष प्रमोद सिंह, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, सुभाष सिंह

नेता, अरुण कुमार सिंह,पूर्व प्रधानाचार्य रामफेर यादव, प्रधान चंद्रशेखर यादव, शिक्षक नेता प्रमोद यादव, राकेश मिश्रा, युवा समाजसेवी अमित सिंह, हृदय नारायण सिंह, शिव शंकर सिंह, सुभाष सिंह, सोनू सिंह समेत अनेक प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे। लोकप्रिय गायक रविंद्र सिंह ज्योति द्वारा गए देवी गीतों पर लोग देर रात तक झूमते रहे। उनके साथ अर्चना

तिवारी के गए गीतों को भी लोगों ने खूब पसंद किया। कार्यक्रम का संचालन गीतकार



यूनिटी डायग्नोस्टिक सेंटर का भव्य शुभारंभ, आधुनिक जांच सुविधाओं से लैस हुआ केंद्र

128 स्लाइस सीटी स्कैन सहित कई अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध, जल्द शुरू होगी 3 टेस्ला एमआरआई सेवा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में आधुनिक चिकित्सा जांच सुविधाओं के विस्तार की दिशा में नई पहल हुई है। नईगंज स्थित प्रयागराज रोड पर यूनिटी डायग्नोस्टिक सेंटर का भव्य शुभारंभ किया गया। इस केंद्र की स्थापना का उद्देश्य जौनपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को एक ही छत के नीचे आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण और विश्वसनीय जांच सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इससे मरीजों को बेहतर जांच के लिए दूसरे शहरों का रुख करने की जरूरत कम होने की उम्मीद है।

डॉ. रामित सिंह, डॉ. मधु शारदा, डॉ. प्रियंवदा और डॉ. रॉबिन सिंह समेत कई चिकित्सकों एवं गणमान्य लोगों ने सहभागिता की। केंद्र में आधुनिक चिकित्सा तकनीक से युक्त 128 स्लाइस सीटी स्कैन, 4D/5D कलर डॉप्लर अल्ट्रासाउंड, 300 एएफ डिजिटल एक्स-रे, 12 चैनल ईसीजी, आधुनिक अल्ट्रासाउंड और अत्याधुनिक पैथोलॉजी लैब की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इन

सुविधाओं के माध्यम से मरीजों को विभिन्न प्रकार की चिकित्सकीय जांच एक ही स्थान पर कराने का अवसर मिलेगा।

रेडियोलॉजी सेवाएं एमबीबीएस, एमडी रेडियोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. जय कुमार के मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में संचालित की जा रही हैं। रेडियोलॉजी के क्षेत्र में 14 वर्षों का अनुभव रखने वाले डॉ. कुमार की विशेषज्ञता केनेट की सेवाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके साथ ही भविष्य में जांच सुविधाओं का और विस्तार करने के लिए 3 टेस्ला एमआरआई सेवा शुरू करने की तैयारी भी की जा रही है। यूनिटी डायग्नोस्टिक सेंटर की शुरूआत को जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। आधुनिक जांच तकनीक को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने की यह पहल मरीजों के समय और यात्रा संबंधी परेशानियों को कम करने में सहायक हो सकती है।

ने सहभागिता की। केंद्र में आधुनिक चिकित्सा तकनीक से युक्त 128 स्लाइस सीटी स्कैन, 4D/5D कलर डॉप्लर अल्ट्रासाउंड, 300 एएफ डिजिटल एक्स-रे, 12 चैनल ईसीजी, आधुनिक अल्ट्रासाउंड और अत्याधुनिक पैथोलॉजी लैब की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इन

मेडिकल कालेज जौनपुर में नवप्रवेशित छात्रों का "कैडवर शपथ" समारोह का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो0 आर0बी0 कमल के दिक्षा निर्देश में एनाटॉमी विभाग की विभागाध्यक्ष, प्रो0 भारती यादव ने दिनांक 17 अक्टूबर, 2026 को एम0बी0बी0एस0 बैच 2026 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों को कैडवर शपथ दिलाई।

एनाटॉमी विभाग की वरिष्ठ आचार्य व चीफ प्रॉक्टर प्रो0 रुचिरा सेठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि कैडवर शपथ चिकित्सा शिक्षा का अत्यंत पवित्र एवं भावनात्मक क्षण होता है। यह न केवल विद्यार्थियों को चिकित्सा विज्ञान की आधारशिला-मानव शरीर रचना के अध्ययन की ओर अग्रसर करता है, बल्कि उन्हें मानवता, करुणा और नैतिकता के

मूल्यों से भी जोड़ता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार एक जीवित गुरु हमें ज्ञान का मार्ग दिखाता है, उसी प्रकार के डाक्टर-अर्थात् शरीर दान करने वाला व्यक्ति- चिकित्सा विद्यार्थियों का "प्रथम गुरु" होता है। हमें उनके प्रति सम्मान, संवेदना और कृतज्ञता का भाव संदेव बनाए रखना चाहिए- उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकानाएं देते हुए कहा कि "यह शपथ केवल अध्ययन की शुरुआत नहीं, बल्कि एक आजीवन दायित्व की याद दिलाती है-मानवता की सेवा।"

एनाटॉमी विभाग की विभागाध्यक्ष, प्रो0 भारती यादव ने कहा कि कैडवर शपथ चिकित्सा शिक्षा का सबसे पवित्र परंपराओं में से एक है। यह न केवल विद्यार्थियों को चिकित्सा विज्ञान की प्रारंभिक

जानकारी देती है, बल्कि उन्हें अनुशासन, संवेदना और मानवता का भी पाठ पढ़ाती है। उन्होंने कहा



कि जिन व्यक्तियों ने शरीर दान किया है वे वास्तव में चिकित्सा शिक्षा के सच्चे प्रेरणाश्रोत हैं। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे इन कैडावर्स के प्रति गहरी श्रद्धा और कृतज्ञता का भाव रखें तथा अध्ययन के प्रत्येक चरण में अनुशासन और मयादा का पालन

करें। विभागाध्यक्ष ने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने व्यावसायिक जीवन में न केवल एक कुशल

चिकित्सक बनें बल्कि एक संवेदनशील और नैतिक डॉक्टर के रूप में समाज की सेवा करें।

एनाटॉमी विभाग की सहायक आचार्य डा0 अर्चना चौधरी एवं डा0 प्रियंका सिंह ने संयुक्त रूप से संबोधन में कहा कि कैडवर प्रत्येक

चिकित्सा विद्यार्थी के लिए "मौन गुरु" के समान है, जो उन्हें मानव शरीर की गहराइयों को समझने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि शरीर दान करने वाले व्यक्ति का यह महान योगदान मानवता की सर्वोच्च मिसाल है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अध्ययन के दौरान इन कैडावर्स के प्रति सम्मान, संवेदना और कृतज्ञता का भाव बनाए रखें।

इस अवसर पर डा0 मतीन अहमद खान, डा0 सैयद मो0 उस्मान खान, डा0 दिग्वेश यादव, डा0 रिफत जहा, डा0 सकीना बानो एवं कर्मचारी जनमेयज, सतीश , मदन,रामअचल, बृजेश ,रामसिंह , सुलभ, साधना, मनीषा एवं नवप्रवेशित छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे।

जफराबाद में 5 साल की बच्ची से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद पुलिस ने नाबालिग से छेड़छाड़ और अपहरण के मामले में वांछित आरोपी सूरज निषाद को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 16 अक्टूबर की शाम थाना क्षेत्र के एक गांव में 5 वर्षीय बच्ची घर के पास खेल रही थी। आरोप है कि आरोपी उसे बहला-फुसलाकर नदी किनारे झाड़ियों में ले गया। परिजनों के मौके पर पहुंचने पर आरोपी फरार हो गया था। पीड़िता के पिता की तहरीर पर थाना जफराबाद में धारा 137(2), 74, 76 इटर और 7/8 पाँक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। एम्प्री डॉ.यशवीर सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत आज मुखबिर की सूचना पर थाना अध्यक्ष कलम नयन दूबे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी को धनेजा पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ग्राम धनेजा का निवासी है। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया है।

जमीन विवाद से परेशान युवक ने किया आत्महत्या का प्रयास, गंभीर रूप से झुलसा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के लाइन बाजार थाना क्षेत्र के लवकरी परियावा गांव में जमीन विवाद से परेशान एक युवक द्वारा आत्महत्या का प्रयास करने का मामला सामने आया है। घटना में युवक गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल जौनपुर में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, युवक की पहचान दिनेश मौर्य (38 वर्ष), पुत्र त्रिभुवन मौर्य, निवासी लवकरी परियावा, थाना लाइन बाजार, जौनपुर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह जमीन से जुड़े विवाद को लेकर काफी समय से परेशान था। युवक ने विवाद के संबंध में प्रशासन पर मदद नहीं मिलने का आरोप भी लगाया है। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। फिलहाल युवक का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। जमीन विवाद का वास्तविक स्थिति, घटना के कारणों तथा मामले में प्रशासनिक स्तर पर की गई कार्रवाई को लेकर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

दुद्धी में माँ काली-संकट मोचन व पंचदेव मंदिर में सजे भव्य पंडाल

दुद्धी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। शारदीय नवरात्रि को लेकर दुद्धी नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में भक्ति का माहौल है। माँ काली मंदिर, संकट मोचन मंदिर और पंचदेव मंदिर सहित विभिन्न पूजा पंडालों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से सजे पंडाल श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। पूजा समितियों के अनुसार, वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ मां दुर्गा की प्रतिमाओं की स्थापना की जा रही है। इसके बाद नौ दिनों तक पूजन, दुर्गा सपत्तशी पाठ और महाआरती का आयोजन होगा। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए पूजा समितियों तथा स्थानीय प्रशासन की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। नगर में भक्ति गीतों और जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया है।



रंगोली के केंद्र बिंदु में रंगों से देश के विकास की तो तस्वीर प्रस्तुत की है, वह अत्यंत आकर्षक और प्रेरणादायी है। हम सभी को मिलकर विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल विकसित भारत में अपना पूरा योगदान देगा।



प्रधानमंत्री आवास योजना, नवाचार से विकास, विकास से समृद्धि, मातृशक्ति-राष्ट्रशक्ति, एक भारत-श्रेष्ठ भारत तथा विश्वविद्यालय के लोगो को भी रंगोली में शामिल किया गया। इस रंगोली के माध्यम से विद्यार्थियों ने महिला सशक्तिकरण, आयुष्मान भारत, नारी शक्ति-राष्ट्र शक्ति, हरित भारत-स्वस्थ भारत, तकनीक, आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण विकास और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर प्रमोद कुमार यादव ने विद्यार्थियों द्वारा निर्मित रंगोली और उनकी रचनात्मकता की प्रशंसा की। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अन्नू त्यागी एवं डॉ. कृष्णा सिंह ने सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर प्रो. मनोज मिश्र,प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. राजकुमार, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. अनुराग मिश्र, डॉ. वनिता सिंह, डॉ. प्रियंका सिंह समेत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जौनपुर में अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट और तेज डायग्नोस्टिक सेंटर के गरबा-डांडिया महोत्सव में झूमे लोग

पारंपरिक परिधानों में महिलाओं ने बिखेरा जलवा, सांस्कृतिक उत्सव के साथ दिया स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक एकता का संदेश

डॉ. इम्तियाज अहमद जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संस्कृति, उल्लास और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट परिवार एवं तेज डायग्नोस्टिक सेंटर (एसआरएस हॉस्पिटल) के संयुक्त तत्वावधान में नईगंज तिराहा स्थित तेज डायग्नोस्टिक सेंटर परिसर में भव्य गरबा-डांडिया महोत्सव का आयोजन किया गया। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में अस्पताल की महिला कर्मचारियों, ट्रस्ट परिवार की सदस्यों और किन्नर समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

गरबा-डांडिया की धुन पर धिरेके प्रतिभागी: महोत्सव का मुख्य आकर्षण

प्रतिभागियों के उत्साह और उमंग ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।



प्रतिभागियों के रंग-बिरंगे पारंपरिक गुजराती और राजस्थानी परिधान रहे। चनिया-चोली और साड्डियों में सजी महिलाओं ने गुजराती लोकगीतों की धुन पर शानदार गरबा और डांडिया प्रस्तुतियां दीं। डांडिया की खनक और मधुर संगीत से पूरा परिसर उत्सवमय हो उठा।

स्वास्थ्य जागरूकता के साथ समाजसेवा का संदेश: सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ स्वास्थ्य जागरूकता पर भी विशेष जोर दिया गया। तेज डायग्नोस्टिक सेंटर एवं एसआरएस हॉस्पिटल की अधिष्ठात्री बबीता सिंह, रेडियोलॉजिस्ट डॉ. सुष्मिता सिंह और

सर सैयद अहमद खान की जयंती पर मरीजों में बांटे फल, नौ पूर्व छात्रों ने किया रक्तदान

वरिष्ठ सर्जन डॉ. सैफ हुसैन खान बोले-रक्तदान महादान, जरूरतमंदों की सेवा ही सच्ची मानवता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के संस्थापक सर सैयद अहमद खान की 208वीं जयंती के अवसर पर एएमयू ओल्ड बॉयज एसोसिएशन जौनपुर की ओर से जिला चिकित्सालय में फल वितरण एवं रक्तदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके तीमारदारों को फल वितरित किए गए। वहीं, एसोसिएशन के नौ पूर्व छात्रों ने रक्तदान कर सर सैयद अहमद खान को श्रद्धांजलि अर्पित की।

एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ सर्जन डॉ. सैफ हुसैन खान ने कहा कि रक्तदान महादान है। किसी जरूरतमंद को रक्त देकर उसका जीवन बचाना सबसे बड़ा सेवा कार्य है। उन्होंने कहा कि डेंगू सहित विभिन्न बीमारियों में मरीजों को रक्त, प्लेटलेट्स और प्लाज्मा की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे समय में रक्तदाताओं का योगदान किसी जरूरतमंद के लिए जीवनरक्षक साबित होता है। उन्होंने समाज के लोगों, विशेषकर युवाओं से रक्तदान के प्रति जागरूक होने और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने की अपील की।

विज्ञान की शिक्षा से जोड़ना था। उन्होंने कहा कि सर सैयद के शैक्षिक मिशन को आगे बढ़ाना और समाज को शिक्षा के प्रति जागरूक करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।



सेवा कार्य का आयोजन उनके विचारों को आगे बढ़ाने का एक सार्थक प्रयास है। शिक्षा और मानव सेवा के माध्यम से ही एक जागरूक, स्वस्थ एवं सशक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है।

कार्यक्रम में डॉ. फहीम खान, डॉ. मोहम्मद फैज, इंजीनियर काजी फैज अहमद, असलम इंजीनियर, शब्बीर कादरी, आबिद भाई, हनीफ अंसारी, खुशीद, मोहम्मद एहसान, आरिफ अब्बास, मोहम्मद साकिब और डॉ. साजिद शेरवानी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। इस आयोजन के माध्यम से एएमयू ओल्ड बॉयज एसोसिएशन ने रक्तदान, शिक्षा और मानव सेवा का संदेश दिया।

केराकत नावघाट नालापार में श्री बजरंग दुर्गा पूजा समिति के पंडाल का हुआ उद्घाटन

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत नगर के नावघाट नालापार स्थित श्री बजरंग दुर्गा पूजा समिति की ओर से स्थापित दुर्गा पूजा पंडाल में धार्मिक उल्लास और भक्तिमय वातावरण के बीच कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत केराकत की पूर्व



चेयरमैन श्रीमती मीना साहू, पत्नी पूर्व चेयरमैन श्री अशोक कुमार साहू, ने फीता काटकर पंडाल का उद्घाटन किया तथा मां दुर्गा की प्रतिमा के पट खोलकर दर्शन-पूजन का शुभारंभ किया। माता रानी के पट खुलते ही पूरा पंडाल भक्तिमय माहौल से गुंज उठा। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के दर्शन कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। आयोजन को लेकर स्थानीय लोगों में उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में वेदप्रिय साहू, विशाल, रोहित साहू, संजय बाबा (सभासद प्रतिनिधि), सौरभ साहू, सूरज

शर्मा, शुभम साहू, अनंतराम निषाद, संतराम मास्टर, ऋषि निषाद (पूर्व सभासद), गुलाम खान, राहुल साहू, अमरीश उपाध्याय, अशोक कन्नौजिया, श्रवण निषाद, रविन्द्र विश्वकर्मा, सुनील मैनेजर, मृत्युंजय विश्वकर्मा, सेंटू निषाद, हजारीलाल निषाद, आर्यन निषाद, छेदीलाल शर्मा, आर्यन शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दलित महिला की जमीन हड़पने का आरोप, मंजू देवी लापता

कोन,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विकासखंड कोन के कुड़वा गांव में जमीन विवाद का मामला सामने आया है। परिजनों ने आरोप लगाया कि अंगूठा लगवाकर जमीन अपने नाम कराने की कोशिश की गई है। वहीं, मंजू देवी के लापता होने से परिवार की चिंता बढ़ गई है। सुखलाल चरो ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। परिजनों ने मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से भी न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने मंजू देवी की तलाश और जमीन के दस्तावेजों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। हालांकि, मंजू देवी के लापता होने और जमीन विवाद के बीच संबंध की पुष्टि नहीं हुई है। विरोध जताने वालों में सुखलाल, वीरेंद्र, मनोज और रामनाथ चरो सहित अन्य लोग शामिल रहे।

पीएनबी ने आरक्षण नीति एवं दिव्यांगजनों के लिए सुलभता पर पंचकुला में डीएफएस कार्यशाला की मेजबानी की



मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र में भारत के अग्रणी बैंकों में से एक पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने पंचकुला स्थित स्टाफ प्रशिक्षण केंद्र में 15-16 अक्टूबर 2026 को दो दिवसीय कार्यशाला की मेजबानी की। इस कार्यशाला का आयोजन भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) द्वारा किया गया था जिसका मुख्य ध्यान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी), सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों (पीएसआईसी), क्षेत्रीय नियामकों और सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों (पीएफआई) में भारत सरकार की आरक्षण नीति का क्रियान्वयन रहा। इस कार्यशाला का उद्देश्य सार्वजनिक वित्तीय इकोसिस्टम में आरक्षण नीतियों और कल्याणकारी उपायों के एकसमाम और प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत क्षमता को सुदृढ़ करना भी था। उद्घाटन दिवस पर 100 से अधिक प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिनमें भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए), भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई), बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (आईबीपीएस) के साथ-साथ सभी 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, 7 सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों और 7 सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ मानव संसाधन प्रमुख और मुख्य संपर्क अधिकारी (सीएलओ) शामिल थे। आरक्षण मामलों के प्रतिष्ठित विश्व-विशेषज्ञों ने कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञ सत्रों का संचालन किया।

अंताक्षरी प्रतियोगिता में विजेताओं को दिया सम्मान



चिराना। निकटवर्ती ग्राम पंचायत बागोरिया की ढाणी स्थित आदर्श शिक्षण संस्थान उच्च प्राथमिक विद्यालय धाबाली ढाणी में आज शनिवार को अंतिम कालांश के दौरान बच्चों के ज्ञानवर्धन हेतु एवं उनकी बुद्धि प्रखरने के लिए एक अंग्रेजी अंताक्षरी का आयोजन रखा गया, जिसमें क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर विजेता रहे

विद्यार्थियों को कार्यक्रम के आयोजक रहे डॉ राजेंद्र कुमावत ने मौके मोमेंटो देकर सम्मानित किया और एक छात्र को सांत्वना पुरस्कार में ही संतोष करना पड़ा। विद्यालय के प्रधानाध्यापक गिरधारीलाल सैनी ने डॉ. कुमावत का इस ज्ञानप्रद कार्यक्रम के आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वास्थ्यपरक जानकारी देने के

यादव मेधावी छात्र सत्कार एवं मार्गदर्शन समारोह संपन्न

उत्तर यादव युवा संघ ने मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर किया प्रोत्साहित

मुंबई। उत्तर यादव युवा संघ (रजि.), उत्तर मुंबई जिला के तत्वावधान में गत दिनों डी.वी.एम. विद्यालय, गाव देवी रोड, पोईसर, कादिवली पूर्व, मुंबई में यादव मेधावी छात्र सत्कार एवं मार्गदर्शन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर तथा विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को उनके अभिभावकों के साथ सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान करने के साथ ही शिक्षा और करियर से संबंधित मार्गदर्शन भी दिया गया।

समारोह की अध्यक्षता संघ के



राष्ट्रीय सचिव एवं कल्याण जिला अध्यक्ष जितेंद्र जगदेव यादव ने की। कार्यक्रम का संचालन उत्तर मुंबई जिला महासचिव अनिल अभयराज यादव तथा संघ की केंद्रीय शिक्षा समिति के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त मुख्य शिक्षक शिवनारायण रामबरण यादव ने बारी-बारी से किया।

कार्यक्रम में संघ के संस्थापक अध्यक्ष अमरजीत श्रीनाथ यादव प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष लालमणि भगेलूराम यादव, उत्तर मुंबई जिला अध्यक्ष उर्मिला आनंद यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं

उत्तर मध्य मुंबई जिला प्रमुख सलाहकार सुरेशचंद्र मलिलाल यादव तथा समाजसेवी लालचंद रामपती यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह को सफल बनाने में उत्तर मुंबई जिला अध्यक्ष जयप्रकाश दिनानाथ यादव, जिला महिला अध्यक्ष उर्मिला आनंद यादव और जिला महासचिव अनिल अभयराज यादव ने विशेष सहयोग दिया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। राष्ट्रगान और नानरे के साथ समारोह का समापन हुआ।

भारतीय ग्राहकों को स्थानीय रूप से निर्मित उत्पाद प्रदान करने के लिए लॉजिटेक ने 'मेक इन इंडिया' विजन को मजबूत किया



मुंबई। लॉजिटेक SIX: LOGN) (NASDAQ: LOGI) ने आज घोषणा की कि भारत में स्थानीय विनिर्माण शुरू हो गया है, जिसका उत्पादन मानेसर, हरियाणा में हो रहा है। यह लॉजिटेक के मौजूदा विनिर्माण क्षेत्र के और अधिक विविधीकरण को दर्शाता है। यह कदम स्थानीय घरेलू भागीदारों के सहयोग से स्थानीयकृत उत्पाद निर्माण और असेंबली को शामिल करने के लिए अपनी इन-कंट्री क्षमताओं को व्यापक बनाकर भारत के प्रति लॉजिटेक की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

यह लॉजिटेक की मौजूदा परिचालन क्षमताओं का विस्तार करता है, जिसमें चैनल मैनेजमेंट, मार्केटिंग सपोर्ट और चेन्नई स्थित ग्लोबल केपेबिलिटी सेंटर शामिल हैं। यह विस्तार संघों तौर पर भारत सरकार के 'मेक इन इंडिया' विजन के अनुरूप है। यह परिचालन विस्तार भारत के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के एक महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है। लगभग 970 मिलियन इंटरनेट सब्सक्रिप्शन और 2025 में लगभग 16 मिलियन तक पहुंचने वाली वार्षिक पीसी बिक्री के साथ,

लॉजिटेक भारतीय ग्राहकों की डिजिटल यात्रा का हिस्सा बनने के लिए पूरी तरह से तैयार है, क्योंकि वे बड़ी स्क्रीन और आधुनिक वर्कस्पेस के उत्पादकता, रचनात्मकता, एगोनोमिक और वायरलेस लाभों का उपयोग कर रहे हैं। एक सुनियोजित विस्तार रोडमैप के तहत, स्थानीय उत्पादन हमारी वेबकैम और पॉइंटिंग डिवाइस श्रेणियों में उच्च मांग वाले उपकरणों के साथ शुरू हो रहा है। इस कदम पर बात करते हुए, लॉजिटेक के चीफ स्प्लाइड चैन ऑपरेशंस ऑफिसर, चेनिनचेरी ने कहा, भारत लॉजिटेक के लिए रणनीतिक रूप से एक महत्वपूर्ण बाजार है। हमारा पहला स्थानीय भारतीय विनिर्माण क्षेत्र स्थापित होने से हम अपने भारतीय ग्राहकों के एक कदम और करीब आ गए हैं। आरएंडडी, चैनल और मार्केटिंग सपोर्ट में हमारी पहले से ही यहाँ महत्वपूर्ण उपस्थिति है।

तीन साल से पानी की बबार्दी, रिसाव बंद कराने के लिए नगरसेवक की बीएमसी से गुहार

मुंबई। घाटकोपर स्थित माता रमाबाई आंबेडकर नगर में पिछले करीब तीन वर्षों से कई स्थानों पर पानी की पाइपलाइन में रिसाव होने की समस्या बनी हुई है। महानगरपालिका के कर्मचारियों द्वारा कई बार रिसाव बंद करने का प्रयास किए जाने के बावजूद समस्या पूरी तरह हल नहीं हो सकी है। इसके कारण सड़क पर पानी जमा रहता है और स्थानीय नागरिकों, महिलाओं तथा पैदल यात्रियों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या को देखते हुए स्थानीय नगरसेवक एवं स्वायत्त समिति (उपनगर) के उपाध्यक्ष सुरेश आवळे ने वृहन्मुंबई महानगरपालिका के संबंधित अधिकारियों को लिखित निवेदन देकर पाइपलाइन के रिसाव की तत्काल और स्थायी मरम्मत कराने की मांग की है। सुरेश आवळे ने अपने निवेदन में डी. बी. पवार चौक से अर्चना स्टोर्स तक रोड नंबर 6 पर मुख्य जलापूर्ति पाइपलाइन में हो रहे रिसाव का मुद्दा उठाया है। उन्होंने बायवल्हा स्थित उच्च जन अभियंता, जल अभियंता विभाग, एई (मेटेनर्स), एन विभाग के सहपाठ्य आयुक्त सहित संबंधित अधिकारियों से इस समस्या पर तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया है। निवेदन में कहा गया है कि संबंधित सड़क का निर्माण कार्य जल्द शुरू होने वाला है। ऐसे में सड़क बनने से पहले पाइपलाइन के सभी रिसावों की मरम्मत करना आवश्यक है। यदि ईई सड़क बनने के बाद पाइपलाइन की मरम्मत के लिए दोबारा खुदाई करनी पड़ी, तो महानगरपालिका के धन और सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान होगा। पाइपलाइन में रिसाव के कारण प्रतिदिन हजारों लीटर पानी का पानी बर्बाद होने की बात सामने

विरार में वाहन चोरी और संधमारी के आरोपी को क्राइम ब्रांच ने दबोचा

विरार (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की अपराध शाखा सेल-3, विरार ने वाहन चोरी के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर चोरी की गई मारुति सुजुकी ईको कार का इस्तेमाल कर घर में संधमारी करने का भी आरोप है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की गई रु.90 हजार कीमती ईको कार बरामद की है। जांच के दौरान आरोपी से संबंधित तीन अपराधों का पता चलने की जानकारी पुलिस ने दी है। घर के पीछे खड़ी कार चोरी होने का मामला दर्ज पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता दीपक बाबू झुजाम (45), निवासी मानवेलपाड़ा, विरार पूर्व, तहसील वसई, जिला पालघर की मारुति सुजुकी ईको कार (IIV, fF0IY MH-48-AK-2791) उनके



आवासीय भवन के पीछे खड़ी थी। 10 अक्टूबर 2026 की रात 10 बजे से 11 अक्टूबर 2026 की शाम 7 बजे के बीच किसी अज्ञात व्यक्ति ने कथित तौर पर उनकी सहमति के बिना कार चोरी कर ली। इस मामले में शिकायत के आधार पर 12 अक्टूबर 2026 को विरार पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया गया। गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी गिरफ्तार मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर अपराध शाखा सेल-3 की टीम ने घटनास्थल

का निरीक्षण कर जांच शुरू की। तकनीकी जांच और गोपनीय सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने चंदन राजू जुन्नी उर्फ टाक (45), निवासी उल्हासनगर, तहसील कल्याण, जिला ठाणे को 15 अक्टूबर 2026 को उसके घर से हिरासत में लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की गई रु.90 हजार कीमती मारुति सुजुकी ईको कार बरामद की। आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए विरार पुलिस स्टेशन के हवाले कर दिया गया है। आरोपी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया पुलिस के मुताबिक, आरोपी

कन्हैया ज्वेलर्स पहुंचे विधायक रमेश चंद्र मिश्र का जोरदार स्वागत



जौनपुर। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर बदलापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रमेश चंद्र मिश्र शनिवार को महाराजगंज बाजार स्थित प्रयागराज-शाहगंज मार्ग पर नवनिर्मित कन्हैया ज्वेलर्स पहुंचे। दुकान के संचालक अनिल सोनी के आग्रह पर पहुंचे विधायक का व्यापारियों एवं क्षेत्रीय लोगों ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान विधायक ने प्रतिष्ठान की उन्नति, व्यापार में वृद्धि और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए मां भगवती से प्रार्थना की। साथ ही दुकान संचालक को शुभकामनाएं देते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने नवरात्र में अपनी आस्था के बारे में बताते हुए कहा कि वह अपनी पत्नी के साथ नौ दिनों तक कलश स्थापना कर मां दुर्गा का व्रत रखते हैं। इस दौरान वह नंगे पांव सहकर दिनभर जनता की सेवा में जुटे रहते हैं। मां भगवती से अपनी विधानसभा क्षेत्र के सभी लोगों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और कल्याण की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि मां का आशीर्वाद सभी विधानसभा वासियों पर बना रहे और क्षेत्र निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ता रहे, यही उनकी कामना है। कार्यक्रम के दौरान राजेंद्र प्रसाद सोनी, अनिल सोनी, प्रदीप के. सिंह, सुनील सोनी, पवन सोनी, अमित सोनी, लक्ष्य सोनी, मंगलेश गुप्ता, अमरजीत मौर्य, शेष चौरसिया और रोहित सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

यूएन में बोला भारत- मध्य पूर्व में स्थिरता जरूरी, 1 करोड़ प्रवासियों की सुरक्षा अहम



स्पष्ट किया कि इस पूरे क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने में विश्व के बेहद गहरे और सीधे हित जुड़े हुए हैं।

दूध बांटने निकला टोटो ही ले उड़े चोर, बुलेट से पहुंचे थे दो युवक



सुबह करीब 9:52 बजे हुई इस घटना से इलाके में हलचल मच गई। जानकारी के अनुसार ग्राम दल्लीपुर मंगरी स्थित अमृत डेयरी का टोटो वाहन कुंज विहार कॉलोनी में दूध वितरण के लिए पहुंचा था। इसी दौरान वाहन चोरी हो गया। घटना की जानकारी होने पर डेयरी संचालक ललित पांडेय ने कैट पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। चोरों की पहचान करने और घटना की कड़ियां जोड़ने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। अब पुलिस की जांच इस बात पर केंद्रित है कि बुलेट से पहुंचे दोनों युवक वारदात को अंजाम देने के बाद किस रास्ते से फरार हुए। दूध वितरण के लिए इस्तेमाल होने वाले वाहन की चोरी ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। फिलहाल पुलिस की जांच और सीसीटीवी फुटेज से मिलने वाले सुरागों पर सबकी नजर है।

दुद्धी में जाम का झाम, जाम में फंसे नगर पंचायत अध्यक्ष



सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। दुद्धी नगर में जाम की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। अतिक्रमण, सड़क किनारे खड़े वाहन और दुकानों के सामने फैले सामान से आवागमन बाधित हो रहा है। हालात यह हैं कि नगर पंचायत अध्यक्ष भी जाम में फंस गए। जाम के चलते राहगीरों, व्यापारियों, स्कूली बच्चों और मरीजों को परेशानी उठानी पड़ रही है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से प्रभावी कार्रवाई होती नहीं दिख रही है। नगरवासियों ने प्रशासन से अतिक्रमण हटाने, यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने और जाम की समस्या का स्थायी समाधान निकालने की मांग की है।

के खिलाफ पहले से दो मामले दर्ज हैं। इस प्रकरण की जांच के दौरान कुल तीन अपराधों का पता चलने की जानकारी दी गई है। चोरी की गई कार का इस्तेमाल घर में संधमारी के लिए किए जाने के आरोप से जुड़े मामले में भी पुलिस आगे की जांच कर रही है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्रवाई यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय शिन्ने, पुलिस उपायुक्त (अपराध) संदीप डोईफोडे इफोडे तथा अपराध शाखा के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई। अपराध शाखा सेल-3 के प्रभारी पुलिस निरीक्षक समीर शेख और उनकी टीम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इस कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अभियान में शामिल पुलिसकर्मियों के समन्वित प्रयासों से चोरी की गई कार बरामद करने में सफलता मिली। पुलिस मामले को आगे जांच कर रही है।

डॉ. सोनेलाल पटेल जी के परिनिर्वाण दिवस पर काफिला के साथ प्रदेश सचिव डॉ महेंद्र पटेल प्रतापगढ़ रवाना

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब अपना दल (एस) के संस्थापक यशःकायी डॉ. सोनेलाल पटेल जी की पुण्यतिथि पर प्रतापगढ़ में आयोजित परिनिर्वाण दिवस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए शनिवार को अपना दल एस के प्रदेश सचिव एवं आराजी लाइन ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ.महेन्द्र सिंह पटेल के नेतृत्व में राजातालाब से हजारों कार्यकर्ताओं को लेकर सैकड़ों संख्या में वाहनों की लम्बी काफिला के साथ शक्ति प्रदर्शन करते हुए सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र के डगहरिया स्थित अपना दल यश पार्टी कार्यालय से होते हुए प्रतापगढ़ के लिए रवाना हुए। जिसके दौरान डॉ महेंद्र सिंह पटेल ने बताया कि



शनिवार को जीआईसी ग्राउंड प्रतापगढ़ में कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें सम्मिलित होकर डॉ. सोनेलाल पटेल जी के सहृदय श्रद्धांजलि समर्पित की जाएगी। इस दौरान प्रदेश सचिव व जिला पंचायत सदस्य सियाराम पटेल, संजीव सिंह, जोन अध्यक्ष

कछवाा रामप्रकाश पटेल, जोन अध्यक्ष राजातालाब डॉक्टर प्रदीप पटेल, जोन अध्यक्ष जस्सा राजकुमार पटेल, सुनील पटेल सहित जिला, विधानसभा तीनों जोन के सभी सेक्टर अध्यक्ष गण व बूथ स्तर के सभी सम्मानित कार्यकर्ता व पदाधिकारीगण उपस्थित रहें।

मछलीशहर चुंगी चौराहे पर भीषण सड़क हादसा, डंपर ने बाइक को मारी टक्कर



-अरशद अली मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर चुंगी चौराहे पर एक तेज रफ्तार डंपर और बाइक के बीच जोरदार भिड़ंत हो

गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और वह पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं पहुंची। आज सुबह लगभग 10 बजे

छंगू लाल प्रजापति उग्र लगभग 55 वर्ष अपने बाइक पर सवार होकर सब्जी मंडी से चुंगी चौराहा की तरफ जा रहे थे और मड़ियाहूँ रोड से चुंगी चौराहा की तरफ जा रही ओवर लोड डंपर अनियंत्रित होकर बाइक सवार को मारी टक्कर, जिससे बाइक क्षतिग्रस्त हो गई, हालांकि बाइक सवार को चोट नहीं आयी और बाल बाल बच गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने डंपर और उसके चालक को हिरासत में लेकर थाने भेज दिया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मड़ियाहूँ के विकास और जनकल्याण को लेकर अखिलेश यादव से हुई सार्थक चर्चा



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूँ विधानसभा क्षेत्र के विकास, जनकल्याण और उच्चल भण्ड्य को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मुलाकात कर

विस्तृत चर्चा की गई। मुलाकात के दौरान क्षेत्र की जनता की अपेक्षाओं, विकास कार्यों और जनसेवा से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। मुलाकात के बाद अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा गया कि राष्ट्रीय

अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा विश्वास व्यक्त करना गर्व और सम्मान की बात है। यह विश्वास केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि मड़ियाहूँ क्षेत्र की जनता के सम्मान और उम्मीदों से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि मड़ियाहूँ के भाई-बहनों, बुजुर्गों और युवाओं से मिलने वाला स्नेह एवं आशीर्वाद उनकी सबसे बड़ी ताकत है। क्षेत्रवासियों के इसी विश्वास को बनाए रखते हुए जनसेवा, विकास और जनकल्याण के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि मड़ियाहूँ विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने, जनता के अधिकारों की रक्षा करने और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए अपनी पूरी टीम के साथ निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा, आपका विश्वास ही मेरी शक्ति है, आपकी उम्मीदें ही मेरा संकल्प हैं और मड़ियाहूँ का विकास ही हमारा लक्ष्य है।

एशियन फुटवियर ने विकास के अगले चरण में कस्टमर्स से जुड़ाव बढ़ाने के लिए सेल्सफोर्स के साथ पार्टनरशिप की

मुंबई। नं. 1 एंजेंटिक सीआरएम, सेल्सफोर्स और भारत के प्रमुख फुटवियर ब्रांड्स में से एक एशियन फुटवियर ने पार्टनरशिप की है। इस पार्टनरशिप का उद्देश्य फिजिकल और डिजिटल चैनलों द्वारा मिले कस्टमर डेटा को एक जगह लाना तथा ज्यादा व्यक्तिगत, ए.आई-संचालित जुड़ाव का आधार तैयार करना है। यह पार्टनरशिप एशियन फुटवियर को एंजेंटिक एंटरप्राइज बनने का अपना लक्ष्य प्राप्त करने में मदद करेगी। देश में एशियन फुटवियर के 100 से अधिक एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट और 30,000 से अधिक रिटेल पार्टनर हैं। कंपनी के ऑपरेशन मैनेजफेक्चरिंग, रिटेल, ई-कॉमर्स और कई मार्केटप्लेस तक फैले हैं। कंपनी के लगातार होते विस्तार ने कस्टमर इंटरैक्शंस के वॉल्यूम और कॉम्प्लेक्सिटी को काफी बढ़ा दिया है, जिसके कारण एक भरोसमंद, रियल-टाइम डेटा फाउंडेशन की जरूरत भी बढ़ गई है, जो कंपनी को विकास के अगले चरण में सपोर्ट कर सके। सेल्सफोर्स की मदद से एशियन फुटवियर मार्केटिंग, कॉमर्स और सर्विस के लाखों कस्टमर रिकॉर्ड्स को एक ही सोर्स में ला सकेगा, जिससे टीमों को कस्टमर्स का रियल-टाइम और 360-डिग्री व्यू मिलेगा। साथ ही, उनके साथ जुड़ाव का ज्यादा तेज व बेहतर आधार तैयार होगा। आशीष प्रकाश, सीटीओ, एशियन फुटवियर ने कहा, एशियन फुटवियर में टेक्नोलॉजी केवल हमारे बिजनेस को चलाने के लिए इस्तेमाल नहीं होती है, बल्कि हमारे बिजनेस को खड़ा करने और उसका विस्तार करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हम मैनुफेक्चरिंग, वितरण, रिटेल और डिजिटल कॉमर्स में काम करते हैं, इसलिए हमारे पास बहुत बड़ी मात्रा में डेटा और कस्टमर इंटरैक्शन होते हैं। हम इस डेटा को कनेक्ट करने और इसे ऐसी इंटीलिजेंस में बदलने पर केंद्रित हैं, जिस पर रियल टाइम में काम किया जा सके।